राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 236 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, मंगलवार 24 जून 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

कालीगंज सीट से टीएमसी की अलीफा अहमद आगे, दूसरे स्थान पर भाजपा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के विधानसभा उपचुनाव में नादिया जिले की कालीगंज सीट पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की अलीफा अहमद आगे चल रही हैं। उन्होंने 23 में से 12 राउंट की मतगणना में 56,000 से अधिक वोट प्राप्त कर लिए हैं। वह भाजपा के उम्मीदवार आशीष घोष से 31,000 वोटों से आगे चल रही हैं। तीसरे स्थान पर कांग्रेस के काबीलुद्दीन शेख हैं, जिनको कम्युनिस्ट पार्टी के समर्थन से उतारा गया है।

कालीगंज सीट टीएमसी विधायक नसीरुद्दीन अहमद (70) के फरवरी में अचानक निधन से खाली हुई थी। इसके बाद उनकी 38 वर्षीय बेटी अलीफा अहमद को टीएमसी की ओर से चुनाव में उतारा गया था। नसीरुद्दीन यहां से 2 बार विधायक रह चुके हैं। उन्होंने 2021 में भाजपा के अभिजीत घोष को 46,987 वोट से हराया था। इससे पहले 2011 में भी उन्होंने यह सीट जीती थी। हालांकि, 2016 में नसीरुद्दीन कांग्रेस से हार गए थे।

उत्तर कोरिया ने ईरान पर अमेरिकी हमले की निंदा की, जानिए क्या कहा

सियोल। इजरायल और ईरान के बीच जंग में कूदे अमेरिकी हमले की रूस, चीन और पाकिस्तान के बाद उत्तर कोरिया ने भी निंदा की है। ने विदेश मंत्रालय के हवाले से सोमवार को कहा कि वह ईरान के खिलाफ अमेरिकी हमले की कड़ी निंदा करता है और यह संप्रभु राज्य के सुरक्षा हितों और क्षेत्रीय अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। उत्तर कोरिया ने मध्य पूर्व में तनाव के लिए इजरायल-अमेरिका को जिम्मेदार बताया। उत्तर कोरिया ने कहा, मध्य पूर्व में मौजूदा तनाव के लिए अमेरिका-इजरायल जिम्मेदार हैं। यह यरुशलम के लगातार युद्ध कदमों और क्षेत्रीय विस्तार से जन्मा है। इसे पश्चिम ने स्वीकार किया और प्रोत्साहित कर रहा है। हम अमेरिका द्वारा ईरान पर किए हमले की कड़ी निंदा करते हैं, जिसने एक संप्रभु राज्य की क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा हितों को हिंसक रूप से कुचला है। न्यायसंगत अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अमेरिका-इजरायल के खिलाफ सर्वसम्मति से निंदा और अस्वीकृति की आवाज उठानी चाहिए। ईरान औ उत्तर कोरिया के बीच दोस्ताना संबंध रहे हैं। संदेह किया जाता है कि दोनों बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास, मिसाइल तकनीक साझा करने समेत एक-दूसरे को सैन्य सहयोग करते रहे हैं।

इस्राइल का दावा

तेहरान में सरकारी ठिकानों को बनाया निशाना, कुख्यात एविन जेल पर भी किया हमला

दुबई (एजेंसी)। इस्राइली रक्षा मंत्रालय ने कहा कि इस्राइल अब ईरान की राजधानी तेहरान में ईरानी सरकार के ठिकानों पर हमला कर रहा है। इनमें कुख्यात एविन जेल भी शामिल है। अन्य जिन ठिकानों पर हमला किया जा रहा है, उनमें अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड्स (आईआरजीसी) का सुरक्षा मुख्यालय, शहर का फ्लस्तीन स्क्वायर और बसीज वॉलंटियर कॉर्प्स की इमारत शामिल है। बसीज बल भी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स का हिस्सा है। रक्षा मंत्रालय ने कहा, ईरानी तानाशाह ने इस्राइली नागरिकों पर हमला किया है और अब उसे पूरी ताकत से सजा दी जाएगी।

इससे पहले, ईरानी सरकारी टेलीविजन ने बताया था कि तेहरान में स्थित ईरान की कुख्यात एविन जेल के गेट के पास एक संदिग्ध इस्राइली हवाई हमला हुआ। ईरानी मीडिया का अनुमान है कि यह हमला एक ड्रोन द्वारा किया गया हो सकता है। रिपोर्ट में कथित तौर पर हमले की ब्लैक एंड व्हाइट फुटेज साझा की गई। यह जेल दोहरी नागरिकता वाले और पश्चिमी देशों से जुड़े कैदियों को रखने के लिए बदनाम है। जिन्हें ईरान अक्सर पश्चिमी देशों के साथ बातचीत में सौदेबाजी के लिए इस्तेमाल करता है।

एविन में राजनीतिक कैदियों और पश्चिमी देशों से संबंध रखने वाले लोगों के लिए विशेष इकाइयां भी हैं, जिन्हें केवल ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई के अधीन काम करने वाले रिवोल्यूशनरी गार्ड चलाते हैं। यह जेल अमेरिका और यूरोपीय संघ द्वारा पहले से ही प्रतिबंधों का सामना कर रही है।

इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने दावा किया कि उसकी वायुसेना (आईएएफ) के लड़ाकू विमानों ने ईरान की राजधानी तेहरान में स्थित आंतरिक सुरक्षा बलों और आईआरजीसी के कमांड सेंटर्स और ठिकानों को निशाना बनाकर हमला किया है। आईडीएफ ने बताया कि यह हमला सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर किया गया, जो कि इस्राइली सैन्य खुफिया विभाग द्वारा प्रदान की गई थी।

किन-किन ठिकानों पर हुआ हमला?

बसीज मुख्यालय: इस्लामी क्रांति गार्ड बल (आईआरजीसी) की सबसे शक्तिशाली इकाइयों में से एक बसीज है। यह संगठन न केवल हथियारबंद बल है, बल्कि यह इस्लामी कानून को लागू करने, लोगों पर नजर रखने और सरकार को रिपोर्ट करने का भी काम करता है। इसे सीधे आईआरजीसी के अधीन माना जाता है।

अल्बोर्ज कोर: यह ईरान के तेहरान जिले के कई शहरों की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है और ईरानी शासन की स्थिरता बनाए रखने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। इसे भी हमले में निशाना बनाया गया।

इंटेलिजेंस और जनरल सिक्योरिटी पुलिस: यह बल ईरान की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा है और शासन के आदेशों को लागू करने में अहम भूमिका निभाता है। आईडीएफने इसे भी सैन्य बल का एक अंग बताया है और कहा कि यह हमला ईरानी सरकार की सैन्य और खुफिया क्षमताओं को कमजोर करने के उद्देश्य से किया गया।

यूपी-एमपी से हथियार खरीद रहे पंजाब के आतंकी संगठन, एनआईए जांच में बड़ा खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। खालिस्तानी संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के आतंकवादियों ने हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के गैंगस्टरों और अवैध हथियार सप्लायर्स से गठजोड़ किया है. राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकी साजिश से जुड़े एक मामले की जांच में यह खुलासा किया है. इस गठजोड़ से सुरक्षा एजेंसाओं की चिंता बढ़ गई है. एनआईए की जांच में यह भी सामने आया है कि कुख्यात गैंगस्टर पवित्तर बटाला का गुर्गा, बीकेआई के आतंकी लखबीर सिंह उर्फ लांडा के पंजाब नेटवर्क से जुड़ा हुआ था. वह लगातार हथियार और गोला-बारूद की आपूर्ति को लेकर खालिस्तानी आतंकियों के साथ समन्वय बना रहा था. एक अधिकारी ने बताया कि भारत की सीमा सुरक्षा एजेंसी ने पंजाब में सीमा पार से आपूर्ति किए गए हथियारों और गोला-बारूद को जब्त करने के प्रयासों को तेज कर दिया है. इसके

बाद खालिस्तानी आतंकवादी समूहों ने पंजाब में अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के हथियार आपूर्तिकर्ता से अवैध हथियार खरीदना शुरू कर दिया है.

एनआईए ने एक मामले में हाल ही में पंजाब के गुरदासपुर जिले के रहने वाले जतिंदर सिंह उर्फ जोती के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है. जतिंदर को एनआईए ने 23 दिसंबर 2024 को मुंबई से गिरफ्तार किया था. जतिंदर बीकेआई आतंकवादी लखबीर सिंह और खूंखार गैंगस्टर पवित्तर बटाला का प्रमुख सहयोगी था. एनआईए ने जांच में यह बात सामने आयी कि जतिंदर मध्य प्रदेश में हथियार आपूर्तिकर्ता बलजीत सिंह उर्फ राणा भाई से अवैध हथियार खरीदता था.

अधिकारी ने कहा, जांच को आगे बढ़ाते हुए, एनआईए ने मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश में कुछ अवैध हथियार आपूर्तिकर्ताओं की भी पहचान की है, जो खालिस्तानी आतंकवादी संगठनों से जुड़े हैं.

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीएसएफ ने पिछले आठ महीनों में भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया है. पिछले अप्रैल माह में बीएसएफ और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम ने भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 5 किलोग्राम आरडीएक्स, चार पिस्तौल, पांच हथगोले और 220 राउंड गोला-बारूद बरामद किया था. जांच में पता चला कि ड्रोन द्वारा पहुंचाई गई खेप दो पैकेटों में बंद थी, जो बॉर्डर आउट पोस्ट (बीओपी) शाहपुर क्षेत्र के साहोवाल गांव के खेतों में पड़ी थी. मई में भारत-पाकिस्तान सीमा पर पंजाब सेक्टर के भरोपाल गांव के पास से हथियारों और गोला-बारूद की एक और खेप बरामद की गई थी.

शहादत को नमनः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से की मुलाकात

रायपुर (समय दर्शन)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में सुकमा में आईईडी विस्फोट में शहीद आकाश राव गिरिपुंजे के परिजनों से सौजन्य भेंट की। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मुलाकात कर गहरी संवेदना व्यक्त की और उन्हें सांत्वना प्रदान की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शहीद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश राव गिरिपुंजे की वीरता और बलिदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी शहादत देश के लिए अविस्मरणीय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश हमेशा उनके बलिदान का ऋणी रहेगा और उनकी शहादत को कभी व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा। श्री शाह ने शहीद के साहस को प्रेरणादायी बताते हुए उनके योगदान को राष्ट्र के लिए अमूल्य करार दिया।

इस अवसर पर श्री शाह ने शहीद के परिजनों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ हर कदम पर खड़ी है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों

के परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा भी उपस्थित थे।

पंजाब उपचुनाव में आम की जीत, केजरीवाल ने राज्यसभा जाने से किया इनकार; कहा- यह राजनीतिक समिति तय करेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा की जीत हुई। इसके बाद पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से पूछा गया कि क्या आप अब राज्यसभा जाएंगे तो उन्होंने स्पष्ट किया, 'मैं राज्यसभा नहीं जा रहा हूं। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति तय करेगी कि कौन राज्यसभा जाएगा।'

विधानसभा हलका लुधियाना

पश्चिमी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी की शानदार जीत पर पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सभी को बधाई दी। मान ने एक्स पर लिखा, 'बड़ी लीड से मिली यह जीत इस बात का साफसंकेत है कि राज्य के लोग हमारी सरकार के कामों से बेहद खुश हैं। हम पंजाब की तरक्की और खुशहाली के लिए दिन-रात बिना किसी भेदभाव और पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं।' आगे लिखा, 'उपचुनाव के दौरान पंजाबियों से किए गए हर एक वादे को हम प्राथमिकता के आधार पर पूरा करेंगे। संजीव अरोड़ा को बहुत-बहुत मुबारकबाद। साथ ही, इस जीत के लिए दिन-रात मेहनत करने वाली पूरी लीडरशिप और वॉलंटियर्स की टीम को भी बहुत-बहुत बधाई।'

ट्रांसफार्मर खराब होने से खेत सूखे पड़े

बिजली संकट की मार किसान नहीं कर पा रहे खेती कार्य

बालोद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से महज तीन किलोमीटर दूर स्थित ग्राम मेढ़की के किसानों की खेती इस समय बिजली संकट की मार झेल रही है। गांव में सिंचाई के लिए उपयोग होने वाला ट्रांसफार्मर बीते एक महीने से खराब पड़ा है, जिससे 20 से अधिक किसानों की मोटरें बंद हो गई हैं और खेतों में नर्सरी तैयार करना भी मुश्किल हो गया है।

किसानों का कहना है कि बारिश में देर होने के कारण वे सिंचाई पंपों से खेतों में पानी देकर नर्सरी तैयार करना चाहते थे, लेकिन ट्रांसफार्मर खराब होने से खेत सूखे पड़े हैं। ऐसे में खरीफफसल की पूरी तैयारी प्रभावित हो रही है।

क्षेत्र के किसान धनराज साहू,

लक्ष्मीनारायण साहू, भारत साहू, कुलेश्वर साहू, श्यामलाल साहू व सुखराम ठाकुर ने बताया कि वे कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों से मिलकर ट्रांसफार्मर मरम्मत की मांग कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। अधिकारी-कर्मचारी समस्या को लेकर गंभीर नहीं हैं, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। किसानों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही ट्रांसफार्मर बदला नहीं गया तो वे बालोद पहुंचकर उग्र प्रदर्शन करेंगे।

जानकारी अनुसार इस ट्रांसफार्मर से गांव के 2 दर्जन से ज्यादा किसानों के सिंचाई बोर पंप संचालित होते हैं, जिनसे लगभग 50 एकड़ से अधिक खेतों में खेती की जाती है।

ट्रांसफार्मर के खराब होने से न केवल खेतों की सिंचाई रुक गई है, बल्कि किसानों की आजीविका भी संकट में आ गई है। विद्युत मंडल बालोद के कार्यपालन अभियंता एस. के. बंड ने बताया कि जिले में ट्रांसफार्मर की भारी कमी है, जिसके लिए राज्य शासन से 45 ट्रांसफार्मर की मांग की गई है। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मर लाने के लिए विभागीय वाहन भेजा गया है। जल्द ही स्थिति सामान्य की जाएगी। ट्रांसफार्मर संकट की जानकारी जिला प्रशासन को दी जा चुकी है। जैसे ही ट्रांसफार्मर उपलब्ध होते हैं, मेढ़की गांव की समस्या को प्राथमिकता से हल किया जाएगा।

प्रेमी ने चचेरे भाई के साथ मिलकर दिया घटना को अंजाम

दोहरे हत्याकाण्ड की गुत्थी सुलझी, प्रेम प्रसंग बना हत्या का कारण

दुर्ग (समय दर्शन)। ग्राम खम्हरिया स्थित राधेलाल गायकवाड़ की बाड़ी में कुंआ के अंदर साड़ी में लिपटा हुआ गट्ठा जिसमें से बदबू आ रही थी जिसको निकाल कर देखने पर साड़ी से लिपटी एवं मिट्टी से भरी प्लास्टिक की बोरी के अंदर में अज्ञात बालक उम्र करीबन 08 - 10 वर्ष का शव तथा पास में ही स्थित भगवान दास महिलांग कि बाड़ी में कुंए के अंदर पानी में लाल रंग की साड़ी में लिपटा हुआ गट्ठा जिसमें पत्थर बंधा हुआ था।

जिसके अंदर प्लास्टिक की बोरी को बाहर निकालकर खोलकर देखने पर बोरी के अंदर अज्ञात महिला जिसके हाथ पाव बंधे हुये थे, आयु तकरीबन 30-35 वर्ष

का शव मिलने पर थाना अमलेश्वर में मर्ग कायम किया गया। पश्चात शव को देखकर अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या कर साक्ष्य छिपाने हेतु मृतिका एवं मृतक बालक का हत्या करने के संदेह से बीएनएस कायम किया गया।

प्रकरण गंभीरता को देखते हुये वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के द्वारा पतासाजी एवं विवेचना हेतु एसआईटी का गठन किया। ग्रामवासियों एवं आस पास के गांवों से मृतिका एवं मृतक बालक के संबंध में पतासाजी की गई। पतासाजी के दौरान जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुआ कि एक अज्ञात महिला को एक दो बार छत्रपाल सिंगौर के साथ आते जाते देखा गया है। जिसका नाम पता नहीं मालुम तब संदेही छत्रपाल सिंगौर को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर गोल मोल जवाब देने लगा, फिर छत्रपाल सिंगौर बताया कि सुनिता चतुर्वेदी उर्फ पल्लवी जो रायपुर में रहती है जिससे इंस्टाग्राम के माध्यम से परिचय हुआ। आरोपी छत्रपाल ने बोला कि मेरा भी शादी नहीं हुआ है मैं तुमसे शादी कर लूंगा और बच्चे को रख लूंगा कहकर मृतिका से आये दिन मिलता रहा एवं शारीरिक संबंध बनाता रहा एवं मृतिका द्वारा बार बार शादी करने एवं साथ में रहने के लिए बोलने पर आरोपी द्वारा 1 माह 2 माह बाद बोलकर टालता रहा। इसी बीच आरोपी छत्रपाल का डेढ माह पूर्व किसी और महिला से शादी कर लिया। मृतिका द्वारा बार बार अपने बच्चे को लेकर छत्रपाल सिंगौर के साथ रहने के लिए दबाव बनाने लगी तब आरोपी छत्रपाल सिंगौर अपने चचेरे भाई शुभम कुमार सिंगौर को मृतिका से प्रेम प्रसंग के संबंध में एक वर्ष पहले बता चुका था।

तब दोनों भाई मृतिका एवं उसके बच्चे का हत्या करने का योजना बनाकर आरोपी छत्रपाल रायपुर से मृतिका एवं उसके 8 साल के बच्चे अपने इलेक्ट्रीक स्कुटी में बैठाकर अपने गांव खम्हरिया लाया, जहां उसका योजना आधार से चचेरा भाई शुभम कुमार गांव में बताये गये स्थान पर मिला फिर दोनों भाई मिलकर मृतिका एवं उसके बच्चे को खेत में गला दबाकर मारने के बाद दोनों का शव साक्ष्य मिटाने के उद्देशय से अलग अलग साडी में लपेटकर बोरी में डालकर एवं पत्थर बांधकर अलग अलग एक कुंए में मां एवं दूसरे कुंए में बच्चे को डाल दिये। पतासाजी करने पर मृतिका एवं उसके बच्चे का थाना सिविल लाईन रायपुर जिला रायपुर गुमशुदा का पूरा नाम सुनीता चतुर्वेदी थाना सिविल लाईन जिला रायपुर में दर्ज होना पाया गया, जिसे मृतिका के परिजन द्वारा मृतिका को पहचाना गया। थाना अमलेश्वर के अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

ऑपरेशन सिंधु के तहत इजराइल और ईरान से 1,713 भारतीयों की हुई वापसी?

सरकार ने बताया

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के मध्य लगातार बढ़ते तनाव से हालात खराब होते जा रहे हैं। इस बीच भारत सरकार ने दोनों देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को निकासी के लिए ऑपरेशन सिंधु चला रखा है। इसके तहत रविवार को ईरान के मशहद शहर से 285 भारतीय नागरिकों को विशेष विमान के जरिए दिल्ली लाया गया। इसके साथ ऑपरेशन सिंधु के तहत इजरायल और ईरान से सुरक्षित वापस लाए गए भारतीयों की संख्या 1,713 पर पहुंच गई है।

विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने एक्स पर लिखा, दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 285 भारतीय नागरिकों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया, जिन्हें ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से सुरक्षित निकाला गया था। उन्होंने आगे लिखा, 22 जून को मशहद से एक विशेष उड़ान रात साढ़े 11 बजे दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। इसके साथ ही अब तक 1,713 भारतीय नागरिकों को ईरान और इजरायल से सुरक्षित लाया जा चुका है। ईरान में भारतीय दूतावास के एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक सभी भारतीय नागरिकों की वापसी नहीं हो सकी है। दूतावास में आवेदन करने वाले सभी नागरिकों से संपर्क कर उन्हें निकलाने के प्रयास में लगा हुआ है। ऐसे में अगले 2 दिनों में ईरान से 2 से 3 और उड़ानें निर्धारित की गई हैं। इधर, मार्गेरिटा ने स्पष्ट किया कि भारतीय विदेश मंत्रालय ईरान और इजरायल में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है।

संक्षिप्त समाचार

ई-ऑफिस के क्रियान्वयन हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण आयोजित

मुंगेली(समय दर्शन) शासन के निर्देशानुसार समस्त विभागों एवं कार्यालयों में ई-ऑफिस के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में जिला स्तरीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी ने कहा कि जिला कार्यालयों में ई-ऑफिस आनबोर्डिंग की प्रक्रिया अंतिम चरणों में चल रही है। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही समस्त शासकीय कार्य ई-ऑफिस पोर्टल के माध्यम से डिजिटल माध्यम से संपादित किए जाएंगे, जिससे कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सकेगी। प्रशिक्षकों द्वारा ई-ऑफिस के उपयोग, फाइल मूवमेंट, नोटशीट, सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता, दस्तावेज संधारण एवं अन्य प्रमुख कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में बताया गया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल एवं कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें ई-आफिस प्लेटफार्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है, ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सके, इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लाई जा सकेगी। इस दौरान जिले के सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।

बीज एवं उर्वरक विक्रय में अनियमितता पर 06 कृषि केन्द्रों को नोटिस जारी

मुंगेली(समय दर्शन) कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न कृषि केंद्रों में दबिश देकर औचक जांच की गई। इस दौरान बीज एवं उर्वरक विक्रय में अनियमितता मिलने पर 06 कृषि केन्द्रों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। कृषि विभाग के उपसंचालक एम.आर. तिग्गा ने बताया कि अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनहरण कुर्रे के नेतृत्व में जिले के विभिन्न कृषि केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में नारायणी कृषि सेवा केन्द्र झाफ्ल, कुलमित्र कृषि केन्द्र झाफ्ल, किसान सहायता केन्द्र झाफ्ल, पायल फर्टिलाइजर चंदली, जय बजरंग खाद भंडार सरगांव को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। साथ ही बिना स्त्रोत प्रमाण पत्र के बीज विक्रय करने व अनियमितता पाए जाने पर जायसवाल खाद भंडार चकरभाठा द्वारा बीज विक्रय को प्रतिबंधित किया गया और उर्वरक विक्रय में अनियमितता पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। जांच के दौरान संबंधित केंद्रों पर विक्रय पंजी, स्टॉक रजिस्टर, बीजों की गुणवत्ता संबंधी प्रमाण-पत्र, लेबलिंग एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की गंभीर अनियमितताएं पाई गईं। साथ ही जांच दल द्वारा यह भी पाया गया कि कुछ केंद्रों में कृषकों को बीज की खरीद पर पक्का बिल भी नहीं दिया जा रहा था। उन्होंने पॉस मशीन से उर्वरक का वितरण करने तथा दुकानों में मूल्य सूची, स्टॉक की जानकारी स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के लिए संचालकों को निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बीजों के नमूने लेकर गुणवत्ता की जांच हेतु प्रयोगशाला भेजी जा रही है। इस दौरान कृषि विभाग की सहायक संचालक श्रीमती ललिता मरावी, निरीक्षक राजेश साहू, योगेश दुबे एवं उमेश दीक्षित, धर्मेंद्र शर्मा एवं देवेन्द्र राय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर किया योगाभ्यास

भिलाई। सेक्टर 7 स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य थीम के तहत अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर तन और मन के बेहतर स्वास्थ्य के लिए हर रविवार आयोजित योग सत्र में डिवाइन ग्रुप के बच्चों ने सक्रिय भाग लिया। राजयोग भवन सभागृह में आयोजित इस कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी पूजा दीदी ने बच्चों को पहले नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी, फिर प्राणायाम, भुजंगासन, सूर्य नमस्कार सहित विभिन्न योगासन कराए। बच्चों को योग के लाभ समझाते हुए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में बताया गया। यह आयोजन बच्चों में योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के उद्देश्य से किया गया।

अमित अग्रवाल और दोस्तों की साहसिक बाइक यात्रा बनी मिशाल

- स्पीति की वादियों में साहस की गूंज: 1200 चरूका बाइक सफर बना जज्बे की पहचान

बसना (समय दर्शन)। सन्नाटे व घुमावदार वादियाँ, ठंडी हवाओं के बीच गरजते इंजन की आवाज़ और दिलों में बस एक ही धुन,मंज़िल चाहे जितनी दूर हो, रुके बिना चलना है। यह कोई फिल्म नहीं, बल्कि वास्तविक जीवन का साहसिक दृश्य था । रोमांच, जुनून और हौसले का ऐसा संगम कम ही देखने को मिलता है, जैसा कि बसना विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के सुपुत्र अमित अग्रवाल ने अपने मित्रों संग पेश किया।

सपनों की कोई सीमा नहीं होती... बस गियर बदलते जाओ और आगे बढ़ते जाओ - पेशे से व्यवसायी अमित अग्रवाल (38) ने कामेश बंजारा, राहुल गोयल एवं श्रेणिक पारेख के साथ हिमाचल की दुर्गम वादियों में 1200 किलोमीटर लंबी बाइक यात्रा पूरी कर एक प्रेरक मिसाल कायम की। 7 जून से शुरू हुआ सफर 17 जून को बसना में समाप्त हुआ।

10 दिन, 1200 चरू स्पीति की साँसें रोक देने वाली वादियाँ और चार दोस्तों की बेमिसाल जर्नी - यह रोमांचकारी यात्रा बसना से शुरू होकर मनाली, जीभी, सांगला, कल्पा, काजा, चिचम ब्रिज, चंद्रताल व अटल टनल होते हुए वापस मनाली से बसना तक सम्पन्न हुई। इन सात दिनों में न केवल कठिन ऊंचाईयों से जूझना पड़ा, बल्कि बदलते मौसम और सर्पिल सड़कों ने हर मोड़ पर इनकी परीक्षा ली। पर इन चारों के जुनून और दृढ़ संकल्प ने हर चुनौती को पीछे छोड़ दिया।

चेहरे पर धूल, मगर आंखों में जीत की चमक - जब मंज़िल बसना लौटी, तब उनके चेहरे पर धूल थी, मगर आंखों में जीत की चमक। यात्रा की समाप्ति पर अमित ने अपनी यात्रा को साझा करते हुए बताया कि कई बार राह मुश्किल लगी, लेकिन मन में ठान लिया था कि इस साहसिक सफर को हर हाल में पूरा करना है। माता-पिता का आशीर्वाद और मित्रों का साथ ही हमारी असली ताकत था।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल को भेंट किया हिमाचली परिधान - यात्रा के उपरांत उन्होंने हिमाचली टोपी, गमछा और गौतम बुद्ध की मूर्ति विधायक डॉ. संपत अग्रवाल को भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। इस पर विधायक ने कहा कि हिमाचल जैसे दुर्गम पर्वतीय रास्तों पर मोटरसाइकिल से 1200 किलोमीटर की यात्रा कर पाना साहस, ऊर्जा और समर्पण का प्रतीक है। इन युवाओं की यह यात्रा निश्चित ही दूसरों को प्रेरणा देगी।

अगर दिल में हिम्मत हो, तो रास्ते खुद झुक जाते है: डॉ संपत अग्रवाल, विधायक - विधायक डॉ. अग्रवाल ने गर्व के साथ कहा, ऐसी साहसिक यात्राएँ समाज को सिखाती हैं कि अगर दिल में हिम्मत हो, तो रास्ते खुद झुक जाते हैं। उन्होंने सभी युवाओं को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे ही जुनून से भरी यात्राएं ही साबित करती हैं कि जब इरादे बुलंद हों, तो मंज़िल खुद पास चली आती है।

आपको बता दें कि अमित अग्रवाल की यह तीसरी बाइक यात्रा थी। इसके पहले भी अमित अग्रवाल बाइक से लंबी दूरी की यात्रा कर चुके हैं। उनकी पहली बाइक यात्रा भूटान, दूसरी लद्दाख और अब तीसरी यात्रा स्पीति रही।

शिक्षा सत्र शुरु होने से पहले सारे इंतजाम करने की खुली पोल

- महासमुन्द मे नौनिहालो की बुनियादी शिक्षा के प्रति सचेत नहीं शिक्षा विभाग
- शासकीय प्राथमिक शाला खमतराई के जर्जर स्कूल भवन में बच्चे पढ़ने को मजबूर
- शाला भवन के दरार को देखकर लगता है डर
- जिले में 45 अति जर्जर स्कूल भवन

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद जिले मे स्कूल खुलते ही शिक्षा विभाग की पोल खुलकर सामने आ गयी है। विभाग कितना भी सफाई दे,, पल्ला झाड़े,, पर एक न एक दिन सच्चाई सामने आ ही जाती है।

कहीं स्कूल युक्तियुक्तकरण को लेकर, कही शिक्षक को लेकर और कहीं स्कूल भवन जर्जर को लेकर लोग कलेक्टर व शिक्षा विभाग के आला अधिकारी कार्यालय के चक्कर, पालक व शाला समिति के लोग लगाना शुरु कर दिये हैं ।

शासन प्रशासन की उदासीनता- ताजा मामला शासकीय प्राथमिक शाला खमतराई का है जहां स्कूल भवन अति जर्जर हो चुका है। जहाँ हमेशा दुर्घटना का भय बना हुआ है। प्रधान पाठक, पालक, शाला समिति के पदाधिकारी पिछले तीन वर्षों से नये भवन की मांग कर रहे है,पर आज तक नये भवन की स्वीकृति नही मिली , पर जर्जर भवन में बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं । शासन प्रशासन की उदासीनता से छात्रों के जीवन पर भी नकारात्मक व गहरा असर पड़ रहा है ।

जर्जर भवन मे दुर्घटना का भय- यहाँ के दरारयुक्त दीवारें , सीपेज से तरबतर छत का गिरता व टूटा प्लास्टर शिक्षा विभाग की हाले बयाँ कर रही है।

यह नजारा शासकीय - प्राथमिक शाला खमतराई का है , जहां के प्राथमिक शाला मे 72 बच्चे पढ़ाई करते है। इस स्कूल भवन का निर्माण वर्ष 2003-04 मे हुआ था । 21,22 वर्ष बाद इस भवन के दीवारों में दरारे

पड़ चुकी है। भवन जगह - जगह से क्रेक हो चुका है। छत का प्लास्टर गिर रहा है। बरसात मे टपकते पानी के बावजूद बच्चे पढ़ने को मजबूर है यहाँ ।

शिक्षा विभाग कुंभ कर्णी निद्रा से कब जागेगी- शाला प्रबंधन समिति के पदाधिकारी एवं पालकण, बीते वर्षों से यहाँ की गंभीर परिस्थिति को उच्चाधिकारियों के समक्ष रखकर भवन की मांग कर रहे है। छात्रों ने बताया कि स्कूल भवन काफी जर्जर है चुका है और बरसात में पानी टपकता है , जिससे हम छात्रों को परेशानी होती है। इस पूरे मामलें में विधायक प्रतिनिधि दिलीप ध्रुव एवं प्रधान पाठक शोभाराम साहू ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से आला अधिकारी को लिखित में जानकारी दे रहे है, पर अभी तक कोई व्यवस्था नही हुआ है।चर्चा का विषय है विभाग कुंभकर्णी निद्रा से कब जागेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी के बोल - जिले में प्राथमिक स्कूल 1276, मिडिल स्कूल 492 एवं हाई व हायर सेकेंडरी स्कूल 188 कुल 1956 स्कूल है। जिनमें से 374 स्कूल भवन जर्जर, अति जर्जर एवं मरम्मत योग्य है, जिसे डिस्मेंटल करना है । इसी डिस्मेंटल स्कूल भवनों मे से एक है शासकीय प्राथमिक शाला खमतराई का स्कूल भवन है।

इसे लेकर मीडिया ने जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरे से सवाल किया तो उनका कहना है कि, स्कूल खुलने से पहले ही वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए बोला जा चुका है। उसके बाद भी वैकल्पिक व्यवस्था नही की गयी है तो मै दिखवाता हूँ ।

विगत वर्षों से अति जर्जर होने के बावजूद भी बच्चों को उसी भवन में पढ़ाया जाना पूरे सिस्टम पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

शासन प्रशासन व विभाग का मुह ताकते ग्रामवासियो ने किया वैकल्पिक व्यवस्था- बहरहाल ग्रामवासी अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए स्वयं आगे आकर सामुदायिक भवन मे पढ़ाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए बच्चों की बुनियादी शिक्षा के प्रति जागरूकता दिखा रहे हैं,पर मध्याह्न भोजन कहां बनेगा और बच्चे शौचालय कहां जायेंगे यह भी चिंता का विषय है ।

शाला प्रवेश उत्सव में बच्चों का हुआ गर्मजोशी से स्वागत, गीत-संगीत और नृत्य से महका स्कूल परिसर

डोंगरगांव। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल चिरचारीकला में शुक्रवार को राज्य शासन के निर्देशानुसार व प्राचार्य एसबी उर्वशा के मार्गदर्शन में नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत को उत्सव के रूप में मनाते हुए शाला प्रवेश उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण रविन्द्र वैष्णव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं।

कार्यक्रम की शुरुआत शालाओं में बच्चों के रोली-टीका और पुष्प माला पहनाकर स्वागत के साथ हुई। बच्चों को मिठाई खिलाई गई और नि:शुल्क पाठ्य पुस्तके व गणवेश प्रदान किए गए। प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर तक के बच्चों में उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय प्रांगण गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से गूंज उठा।

मुख्य अतिथि किरण रविन्द्र वैष्णव ने कहा, बच्चों का यह जोश और उल्लास दर्शाता है कि वे पढ़ाई के लिए कितने उत्साहित हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत शत-प्रतिशत बच्चों का नामांकन और उपस्थिति सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बच्चों को समुचित वातावरण देना और शिक्षा के मार्ग की सभी बाधाओं को दूर करना हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर विद्यालय में विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। छात्राओं ने एकल और सामूहिक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति से सबका मन जीत लिया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सरपंच श्रीमति भारती मंडावी, शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष अंजनी शर्माए, समाजसेवी कुमार साहू, हिरदे सिन्हा, धर्मेन्द्र साहू, दुलेश्वरी चंद्रवंशी, नरेंद्र दमोहे, जगदीश मिश्रा, प्रहलाद मिश्रा, पोखराज मंडावी, महेश मंडावी, संकुल समन्वयक भूषण वाडेकर, हेमंत सलामे, दुर्गेश मालेकर, पंचगण, पालकगण, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष अंजनी शर्मा ने बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थी लक्ष्य बनाकर नियमित रूप से विद्यालय आएं और अपने शिक्षकों व माता.पिता के प्रति आदर रखें।

कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता हीरालाल गजभिये ने किया एवं आभार प्रदर्शन शिक्षक देवेन्द्र साहू ने किया। समस्त शिक्षकों ने मिलकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

शाला प्रवेश उत्सव के अंत में सभी बच्चों और पालकों को अतिथियों द्वारा पारंपरिक न्योता भोज भी कराया गया।

यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए एक यादगार पल बनाए बल्कि शिक्षा के प्रति जागरूकता फैलाने में भी एक प्रेरणास्पद पहल साबित हुआ।

बिना मान्यता के चल रहा प्रतिभा स्कूल बसना

महासमुन्द (समय दर्शन)। आज सभी माता पिता ये चाहते हैं कि, हमारा बच्चा अच्छे विद्यालय से पढ़ाई कर एक अच्छा, संस्कारी और मेहनती इंसान बने ।

परंतु गरीबी एक ऐसी बीमारी है जिसके चलते अधिकांश गरीब परिवारों का यह सपना सपना ही रह जाता है।

बच्चा चाहे कितना भी होनहार क्यों न हो, लेकिन आर्थिक समस्या के चलते वह बच्चा किसी अच्छे विद्यालय से पढ़ाई नहीं कर पाता और एक औसतन इंसान बनकर ही रह जाता है।लोग सदियों से इस परेशानी से जूझते आ रहें हैं।

भारत सरकार ने इसी समस्या को जड़ से खत्म करने के उद्देश्य से वर्ष 2009 में निशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा प्रणाली की शुरुवात की।

जिसके तहत प्रत्येक शासकीय एवं निजी विद्यालयों में 3 से 14 वर्ष तक के गरीब बच्चों को निशुल्क शिक्षा देना है।

इस योजना का नाम है आर.टी.ई. अर्थात् निशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009,,

ये अधिनियम कहता है कि, यदि कोई पालक गरीब है और उसका बच्चा 3 से 14 वर्ष की आयु का है तो उसे अपने नजदीकी शासकीय या निजी विद्यालय में नि:शुल्क प्रवेश दिया जाएगा, साथ ही विद्यालय में संचालित अधिकतम कक्षा तक बच्चे की पढ़ाई का पूरा खर्च शासन वहन करेगी।

शासन ने विद्यालयों को भी इस योजना के क्रियान्वयन के लिए बाध्य कर दिया है कि, विद्यालय में दर्ज संख्या का 25त्न शीट ऐसे ही गरीब बच्चों के लिए आरक्षित रखा जाए।

यदि कोई विद्यालय ऐसा करने से मना करे तो उसकी मान्यता तक समाप्त की जा सकती है।

परंतु महासमुंद जिले के बसना, सरायपाली एवं बागबाहरा में संचालित प्रतिभा पब्लिक स्कूल में नजारा कुछ और ही देखने को मिल रहा है।

प्रतिभा पब्लिक स्कूल ने उपरोक्त गरीब कल्याण योजना को नोट छापने की मशीन के रूप में इस्तेमाल करते हुए प्रशासन को अब तक करोड़ों रुपयों का चूना लगाया है ।

जहां विद्यालय में दर्ज संख्या का 25त्न शीट गरीब परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित है तो वहीं प्रतिभा पब्लिक स्कूल ने गरीबों के हक की रोटी को शहर के नामी गिरामी लोगों के बच्चों में बांट दी है ।

दरअसल जो शीट गरीब परिवार के बच्चों को मिलना चाहिए था, प्रतिभा पब्लिक स्कूल ने अपने निजी लाभ के लिए उक्त शीट को अपने चहेते लोगों को भेंट कर दी?

ये अधिनियम कहता है कि विद्यालय में दर्ज संख्या का 25त्न शीट गरीब परिवार के बच्चों को देते हुए उसकी सूची बनाकर नोडल अधिकारी और जिला शिक्षा अधिकारी से प्रमाणित करवाकर लोक शिक्षण संचालय, स्कूल शिक्षा विभाग रायपुर को देना होता है,, जिसके अवलोकन पश्चात शिक्षा विभाग संबंधित विद्यालय के खाते में राशि अंतरित कर देती है।

मां दुर्गा च्वाईस सेंटर बसना के आर.टी.आई. कार्यकर्ता निलेश अग्रवाल ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल द्वारा किए जा रहे करोड़ों के घोटाले पर से पर्दा हटाने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद से सूचना का अधिकार के तहत ऐसे बच्चों की सूची की मांग की थी ,,जिनको प्रतिभा पब्लिक स्कूल द्वारा नि:शुल्क प्रवेश दिया गया हो।

परंतु विद्यालय के अनियमितताओं पर पर्दा बनाए रखने और अपनी कुर्सी बचाने के उद्देश्य से तत्कालीन जिला शिक्षा अधिकारी महासमुंद श्रीमती मीता मुखर्जी ने सूचना का अधिकार अधिनियम की अवहेलना करते हुए ऐसी सूची देने से साफ साफ इंकार कर दिया।

परंतु निलेश अग्रवाल ने शिक्षा विभाग के उच्च कार्यालय में आवेदन कर ये जानकारी प्राप्त कर ली।

शिक्षा विभाग के उच्च कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रतिभा पब्लिक स्कूल को पिछले 2 वर्ष में नि:शुल्क शिक्षा का अधिकार कानून के तहत 37 लाख रुपए की राशि आवंटित की गई है और सबसे मजे की बात ये है कि, सूची में दर्ज अधिकांश नाम शहर के करोड़पतियों के घरों से संबंधित है तो वहीं कुछ नाम फर्जी हैं।

मिली जानकारी के अनुसार

इसी विद्यालय में इस वर्ष कक्षा 12वीं में अध्ययनरत एक छात्र ने प्रतिभा पब्लिक स्कूल में आर.टी.ई. के तहत ही प्रवेश लिया था,, परंतु विद्यालय के प्राचार्य श्रीमती मेहरून निशा खान ने छात्र को परीक्षा से निस्कासित करने की धमकी देकर लगभग 40 हजार रुपए की अवैध वसूली की है।

निलेश अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए आगे बताया कि, यह विद्यालय पैसों के लिए किसी भी हद तक गिर सकता है, जहां एक तरफ प्रतिभा किड्स नामक विद्यालय के संचालन की भी कोई मान्यता ही नहीं है ,,तो वहीं प्रतिभा पब्लिक स्कूल खटखटी बसना में संचालित कक्षाएं 11वीं एवं 12वीं गैर मान्यता प्राप्त है।

शिक्षा विभाग द्वारा निर्धारित मापदंड के अनुसार शिक्षक ही नहीं हैं,, तो वहीं मासूम बच्चों की डंडे से पिटाई की जाती है। निजी लाभ के लिए प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित निजी प्रकाशित किताबों से अध्यापन का कार्य किया जाता है तो वहीं यूनिफॉर्म में भी कमिशन खोरी का काम किया जा रहा है।

इस तरह के और भी कई अनियमितताएं विद्यमान है जिस पर निष्पक्ष जांच करने पर कई बड़े खुलासे होने और बंदरबांट करने वाले अधिकारियों के चेहरे पर से मुखौटे हटने की उम्मीद है।

प्रशासन को गुमराह कर फर्जी सूची प्रदाय कर लाखों रुपयों की काली कमाई करने वाला प्रतिभा पब्लिक स्कूल के ऊपर और भी दर्जनों बिंदुओं पर शिकायत दर्ज है।

थाना खम्हारडीह क्षेत्रांतर्गत मकान एवं क्लीनिक में दिये है चोरी की घटना को अंजाम

मकान एवं क्लीनिक में चोरी की 03 घटनाओं को अंजाम देने वाले विधि के साथ संघर्षरत 03 बालक एवं 01 आरोपी सहित कुल 04 गिरफ्तार

घटना में संलिप्त है 03 विधि के साथ संघर्षरत बालक।
कब्जे से चोरी का 02 नग लैपटॉप, 01 नग कैमरा, 01 नग घड़ी तथा नगदी रकम किया गया है जप्त।
जप्त मशरूका की कुल कीमत है लगभग 2,00,000/- रूपये।
आरोपी तथा अपचारियों के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 137/2025, 134/2025 तथा 89/2025 धारा 331(4), 305, 3(5) बी.एन.एस. का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

रायपुर (समय दर्शन)। विवरण - प्रार्थी हर्ष शर्मा ने थाना खम्हारडीह में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह एमआईजी-13 सेक्टर-03 शंकर नगर में रहता है तथा सी.ए. है। दिनांक 19.06.2025 को प्रार्थी अपने परिवार के साथ चम्पारण गया था। दिनांक 20.06.2025 को प्रार्थी घर वापस आया तो देखा कि मेन गेट से पहले लगे लोहे का चैनल गेट बैण्ड था, वहीं नीचे पर गमछा पडा था जिसके बाद घर की साईड वाली खिड़की तरफ गया तो देखा कि खिड़की में लगा कांच एवं लोहे का ग्रील टूटा हुआ था जिसके बाद प्रार्थी घर का मेन दरवाजा खोलकर अंदर गया तो देखा कि घर में रखा सामान बिखरा हुआ था घर में रखे सामानो को चेक किया तो पता चला कि घर मे रखे एक लैपटॉप, डीएसएलआर कैमरा, दो नग हाथ घडी एवं अन्य सामान नही था। कोई अज्ञात व्यक्ति मेन गेट में लगे चैनल गेट को बैण्ड कर अंदर प्रवेश कर उक्त मशरूका को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 137/25 धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। विवरण - प्रार्थिया सुजाता सिंधी ने थाना खम्हारडीह में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह आस्था ग्रीन्स वीआईपी स्टेट शंकर नगर रायपुर में रहती है तथा पहलाजानी नर्सिंग होम के पास

एमआईजी-16 सेक्टर- 03 शंकर नगर रायपुर में इन्स्पायर फिजियो एडवांस फिजियो थैरेपी एण्ड वेलनेस सेंटर एवं हेयर इन का संचालन करती है। प्रार्थिया दिनांक 19.06.2025 को रात्रि करीबन 09.00 बजे अपनी क्लीनिक बंद कर घर चली गयी थी। दिनांक 20.06.2025 को सुबह प्रार्थिया की स्टाफ ने फोन कर बताई कि वह क्लीनिक का दरवाजा खोलकर अंदर गई देखा तो पाया कि क्लीनिक के दरवाजा मे लगा कुण्डी टूटा हुआ था तथा क्लीनिक के केबिन में दराज में रखा नगदी रकम नही था। कोई अज्ञात चोर प्रार्थिया के क्लीनिक के दरवाजे के कुण्डी का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश कर दराज में रखे उक्त मशरूका को चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 134/25 धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसके साथ ही प्रार्थिया के क्लीनिक में पूर्व में भी अज्ञात चोर द्वारा क्लीनिक के कुण्डी को तोड़कर अंदर प्रवेश कर नगदी रकम चोरी कर फरार हो गया था। जिस पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना खम्हारडीह में अपराध क्रमांक 89/2025 धारा 331(4), 305 बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया था। चोरी की घटनाओं को उमनि एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय डॉ. लाल उमेद सिंह द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, नगर पुलिस अधीक्षक विधानसभा श्री वीरेन्द्र चतुर्वेदी, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संजय सिंह, प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी खम्हारडीह को आरोपियों की जल्द से जल्द पतासाजी कर गिरफ्तार करने हेतु निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना खम्हारडीह पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर घटना के संबंध में प्रार्थीयों सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आसपास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही प्रकरण में मुखबीर लगाकर भी अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर चिन्हांकित करने के प्रयास किये जा रहे थे।

छत्तीसगढ़ सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने कांग्रेस संगठन को अधिक मजबूत करने ली महत्वपूर्ण बैठक

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सह प्रभारी श्री विजय जांगिड़ की गरिमामयी उपस्थिति में शहर जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक काँग्रेस भवन गाँधी मैदान मे आयोजित की गयी थी। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करना, कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय स्थापित करना एवं आगामी रणनीतियों को तय करना रहा। विजय जांगिड़ ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का आधार कार्यकर्ता हैं,और मजबूत संगठन ही जनहित के मुद्दों को प्रभावी रूप से उठा सकता है। उन्होंने पदाधिकारियों से नियमित जनसंपर्क, बूथ स्तर पर सक्रियता और युवाओं को संगठन से जोड़ने की अपील की। इसके अलावा बैठक में संगठन विस्तार,आगामी कार्यक्रमों की योजना सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष,गिरीश दुबे पूर्व विधायक विकास उपाध्याय पंकज शर्मा प्रमोद दुबे ऐजाज ढेबर शिव सिह ठाकुर श्रीकुमार मेनन सुमित दास अरुण जांघेल अशोक ठाकुर संदीप साहू सतनाम पनाग देवेंद्र यादव देव कुमार साहू नवीन चंद्राकर माधव साहू जयंत साहू आकाश तिवारी बंशी कन्नौजे अनुराम साहू प्रकाश जगत मनीराम साहू दिनेश ठाकुर मोहम्मद ताहिर अविनय दुबे कामरान अंसारी राकेश धोत्रे संजय सोनी माधव छुरा अनिल रायचुरा सहित समस्त पदाधिकारि उपस्थित थे।

भाजपा से न देश सम्हल रहा है न देश की अर्थव्यवस्था, कोर सेक्टर निचले स्तर पर

घरेलु उत्पादन घट रहा है, कर्ज बढ़ रहा है, व्यापार संतुलन बिगड़ रहा है और आत्ममुग्ध भाजपाई संकल्प से सिद्धि इवेंट कर रहे

रायपुर (समय दर्शन)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के द्वारा मई 2025 के लिए जारी उत्पादन इंडेक्स के आंकड़ों को मोदी सरकार के आर्थिक नाकामी का रिपोर्ट कार्ड करार देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि चार प्रमुख कोर सेक्टर के उत्पादन में बड़ी गिरावट मोदी सरकार के आर्थिक नाकामी को प्रमाणित करता है। उर्वरक उत्पादन में 2025 में 5.9 प्रतिशत घटा है, जबकि बिजली उत्पादन में पिछले महीने से 5.8 प्रतिशत की कमी है। अप्रैल में इसका उत्पादन पिछले साल की तुलना में 2.2 प्रतिशत कम रहा है। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का उत्पादन भी मई 2025 में घटा है, कोर सेक्टर में इस तरह की गिरावट मोदी सरकार के अनर्थशास्त्र और वित्तीय कुप्रबंधन का प्रमाण है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मोदी सरकार में घरेलु उत्पादन लगातार घट रहा है, देश पर कुल कर्ज का भार बढ़कर

2014 के तुलना तीन गुना से अधिक हो गया है, व्यापार संतुलन बिगड़ रहा है, निर्यात दिनोदिन घट रहे हैं, आयात पर निर्भरता बढ़ रही है और आत्ममुग्ध भाजपाई संकल्प से सिद्धि इवेंट कर रहे हैं, विकसित भारत अभियान चलाकर जनता की आंखों में धूल झोंक रहे हैं। कोर सेक्टर में गिरावट से देश की सबसे बड़ी असल समस्या, महंगाई और बेरोजगारी को और बढ़ावा मिलेगा। रोजगार की आस लगाए युवाओं को नए रोजगार तो दूर बल्कि इन कोर सेक्टरों में कार्यरत लाखों लोगों की नौकरी जाने का भी खतरा बढ़ गया है। उत्पादन घटने से महंगाई बढ़ना भी तय है, इससे कम आय में गुजारा कर रहे लोगों के जीवन स्तर में और भी गिरावट आएगा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने कहा है कि मई 2025 में कोर सेक्टर की ग्रोथ घटकर मात्र 0.7 प्रतिशत रह गई है जो विगत 9 महीने के निचले स्तर पर है। देश के कोर सेक्टर में 8 प्रमुख क्षेत्र आते हैं- कोयला, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पाद, प्राकृतिक गैस, उर्वरक, सीमेंट, इस्पात और बिजली, इनमें चार सेक्टरों उर्वरक, बिजली, कच्चा तेल और प्राकृतिक गैस में गिरावट दर्ज की गई है। मोदी सरकार के गलत आर्थिक नीतियों के चलते ही देश में असमानता बढ़ रही है, गरीब और गरीब हो रहा है, सत्ता के संरक्षण में कुछ पूंजीपति मित्रों पर ही देश के संसाधन लुटाए जा रहे हैं।

जब उम्मीद की डोर थमने लगी मुख्यमंत्री बने संबल: मुख्यमंत्री की मदद बनी शालू के सपनों की सीढ़ी

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ की बेटी और 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी सॉफ्टबॉल खिलाड़ी शालू डहरिया के चेहरे पर उस वक्त मुस्कान की लहर दौड़ गई, जब स्वयं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने उन्हें वीडियो कॉल कर न सिर्फ शुभकामनाएं दीं, बल्कि उनके सपने को पूरा करने के लिए जरूरी आर्थिक मदद भी प्रदान किया ।

शालू डहरिया का चयन 14 से 20 जुलाई, 2025 को चीन के सिआन में होने वाली एशिया यूथ सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में हुआ है।छत्तीसगढ़ से इस ओपन टूर्नामेंट के लिए केवल दो महिला खिलाड़ियों का चयन हुआ है, जिनमें शालू डहरिया भी शामिल हैं। लेकिन इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी के लिए आवश्यक ?1.70 लाख की फीस उनके लिए एक बड़ी बाधा बन गई थी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार से आने वाली शालू के पिता

प्राइवेट सुरक्षा गार्ड हैं और माँ एक छोटे से ब्यूटी पार्लर का संचालन करती हैं। बावजूद इसके शालू ने आठवीं कक्षा से सॉफ्टबॉल खेलना शुरू किया और अब तक एक गोल्ड मेडल सहित 12 बार राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने शालू डहरिया को वीडियो कॉल कर कहा बेटी, तुम आगे बढ़ोज् हम सब तुम्हारे साथ हैं। छत्तीसगढ़ को तुम पर गर्व है। अच्छा खेलो, मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। देश और प्रदेश का नाम रोशन करो। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राज्य सरकार बेटियों को केवल प्रोत्साहित नहीं करती, बल्कि ज़रूरत पड़ने पर उनके सपनों को पंख देने के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है।

संवेदनशीलता की मिसाल बनी यह पहल

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के दिशानिर्देश पर त्वरित अमल करते हुए जांजगीर चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने शालू को ?1.70 लाख की सहायता राशि का चेक सौंपा और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। शालू की माता श्रीमती अल्का डहरिया ने मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री जी की संवेदनशील पहल और आर्थिक सहायता से मेरी बेटी को अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल होने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है।

मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर नशे का कारोबार करने वाले कारोबारियों के संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है

प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ आरोपी चेतन बेहरा गिरफ्तार

रायपुर (समय दर्शन)।
विवरण -पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज रायपुर श्री अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार रायपुर पुलिस द्वारा नशे के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें रायपुर पुलिस के समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों सहित प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट को नशे का काला कारोबार करने वाले कारोबारियों की पतासाजी कर कार्यवाही करने एवं इस पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये है। जिस पर समस्त पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों एवं एण्टी क्राईम एण्ड सायबर यूनिट की टीम द्वारा मुखबीर लगाकर, पेट्रोलिंग व सूचना संकलन कर नशे का कारोबार करने वाले कारोबारियों के संबंध में सूचना एकत्रित की जा रही है।

इसी तारतम्य में दिनांक 21.06.25 को एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि थाना सिविल लाईन क्षेत्रांतर्गत ऑक्सिजोन गार्डन पास एक व्यक्ति प्रतिबंधित नशीली टेबलेट रखा है तथा बिक्री करने की फिराक में ग्राहक की तलाश कर रहा है। जिस पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री कीर्तन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संदीप मित्तल, उप पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री संजय सिंह तथा नगर पुलिस अधीक्षक सिविल लाईन श्री अजय कुमार(भा.पु.से.) द्वारा प्रभारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना प्रभारी सिविल लाईन को सूचना की तस्दीक कर आरोपी को प्रतिबंधित नशीली टेबलेट के साथ रंगे हाथ पकड़ने निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना सिविल लाईन पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा उक्त स्थान जाकर मुखबीर द्वारा बताये हुलिए के व्यक्ति चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम चेतन बेहरा निवासी महासमुंद का होना बताया। टीम के सदस्यों द्वारा उसकी तलाशी लेने पर उसके पास प्रतिबंधित नशीली टेबलेट नाईट्रोसन-10 रखा होना पाया गया। चेतन बेहरा से उक्त प्रतिबंधित नशीली टेबलेट रखने एवं बिक्री करने के संबंध में वैध दस्तावेज की मांग करने पर उसके द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया।

जिस पर टीम के सदस्यों द्वारा आरोपी चेतन बेहरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 180 नग प्रतिबंधित नशीली टेबलेट नाईट्रोसन-10 जिसका खुदरा मुल्य लगभग 10,000/- रूपये तथा घटना में प्रयुक्त 01 मोबाईल फोन जुमला कीमती लगभग 30,000/- रूपये जप्त कर आरोपी के विरूद्ध थाना सिविल लाईन में अपराध क्रमांक 286/25 धारा 22बी नारकोटिक एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर कार्यवाही किया गया है।
गिरफ्तार आरोपी - चेतन बेहरा पिता नवीन बेहरा उम्र 30 वर्ष साकिन मोहगांव थाना बलौदा महासमुंद छ.ग।

संक्षिप्त समाचार

कच्चे घास फूस की झोपड़ियां अब पक्के मकानों की कालोनी में हुई तब्दील

पीएम जनमन से जबगा एवं कुर्रा के बिरहोर परिवारों की बदली जिंदगी

सुरक्षा एवं स्थिरता का हो रहा अहसास

रायपुर। / रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ के सुदूर वनांचल में बसा है जबगा गांव। यह बिरहोर परिवारों का निवास भी है। यहां रहने वाले 7 बिरहोर परिवार एक स्थान पर झोपड़ी बनाकर रहते हुए पालतू जानवरों के लिए रस्सी तैयार कर जीवन यापन कर रहे थे। उन्होंने सोचा नहीं था कि उनका कच्चा मकान कभी पक्का बन पाएगा। लेकिन आज पीएम जनमन योजना से उन परिवारों के लिए एक साथ एक कालोनी के रूप में बसाए गए है। बिरहोर परिवार अब अपने पुराने कच्चे मिट्टी के घर को छोड़कर अपने पक्के प्रधानमंत्री आवास में रह रहे है। पक्का घर से मिलने से अब उन्हें सुरक्षा और स्थिरता का अहसास हो रहा है, जिससे उनके चेहरे पर स्पष्ट खुशी दिखाई दे रही हैं।

विदित हो कि रायगढ़ जिला अंतर्गत धरमजयगढ़ विकासखण्ड के ग्राम बलपेदा ग्राम पंचायत जबगा जो कि जनपद मुख्यालय से 20 किमी एवं जिला मुख्यालय से लगभग 100 कि.मी दूरी पर स्थित है। यहां पर निवासरत विशेष पिछड़ी जनजाति- बिरहोर के 7 परिवार निवासरत हैं। जो कि 2016 के पूर्व जंगल में ही बने एक गुफा में निवास करते थे। बलपेदा के ग्रामीणों ने उन्हें ग्राम के निकट आबादी प्लॉट में निवास करने के लिए कह कर जंगल से बाहर लाये थे। वहीं इनके द्वारा रहने के लिए झोपड़ी एवं कच्चे मकान बनाये गये थे, पक्का आवास तो जैसे इनके लिए सपना था।

जंगल में प्राप्त होने वाले माहुल पेड़ से पालतु जानवरों जैसे- गाय, बकरी को बांधने वाली रस्सी बनाकर एवं स्थानीय भाषा में बोले जाने वाले बगाई नामक घास जिससे रस्सी बनाकर खाट का नेवार बनाया जाता है, जिसे बेचकर अपने कमाए पैसों से दैनिक आवश्यकताओं को पूर्ण करते है। इन्हीं कमाएं हुए पैसों से अपने परिवार के सदस्यों का भरण पोषण भी करते है। यह भोजन के रूप में कोदो, कनकी जैसे अनाज को ग्रहण करते हैं। गांव पहाड़ी क्षेत्र में होने के कारण हर साल तेज हवा, पानी के कारण घरों को बहुत नुकसान होता था। जिसके कारण इन परिवारों को हर साल घर की मरम्मत करनी पड़ती है। इस वजह से इन परिवारों की आय का अधिकांश हिस्सा घर मरम्मत में ही खर्च हो जाता था। जिससे इन परिवारों के आशियाने की चिंता बनी रहती थी। बरसात के दिनों में कच्चे मकानों में साफ- सफाई की कमी से बीमारी का खतरा भी बना रहता था। पक्के मकान मिलने के बाद ये सारी चिंता और चुनौतियां अब दूर हो गई हैं।

कुर्रा में बसी पक्के आवासों की कॉलोनी- रायगढ़ जिले के अंतिम छोर में लैलूंगा के करीब बसा है कुर्रा गांव। इसकी पहचान विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर परिवारों में निवास स्थल के रूप में भी है। पीएम जनमन योजना में शामिल होने के बाद यहां दिखने वाले 10 बिरहोर परिवारों के कच्चे घास फूस के घर अब पक्के मकानों में तब्दील हो चुके हैं। इन परिवारों के मकान निर्माण एक साथ एक कॉलोनी के रूप में किया गया है। इस बिरहोर कॉलोनी के लिए विशेष रूप से डिजाइन और लेआउट तैयार करवाया गया। जिससे ये अपने समुदाय बीच रह सकें। इन घरों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत शौचालय निर्माण करवाया गया है। उनके आवागमन हेतु सड़क, पेयजल व्यवस्था हेतु पानी, बिजली की सुविधा जिला प्रशासन की तरफसे प्रदाय किया जा रहा है। इन बिरहोर परिवारों को शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से भी जोड़ा गया है। जो बिरहोर परिवार घास-फुस, झुग्गी झोपड़ी, छप्पर वाले कच्चे घरों में रहते थे। बरसात के मौसम में जहरीले सांप, बिच्छु एवं अन्य जंतुओं को भय बना रहता था। अब वे पीएम जनमन योजना से पक्के आवास का निर्माण कर अपने सपनों के आशियानों में सुकून से रह रहे हैं। यह अभियान रायगढ़ जिले के कुर्रा गांव के बिरहोर परिवारों के जीवनस्तर में अभूतपूर्व बदलाव लेकर आया है।

पक्के मकानों से मिली सुरक्षा और स्थिरता- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही पीएम जनमन योजना विशेष पिछड़ी जनजाति को समाज की मुख्यधारा में जोडने में एक अहम कड़ी साबित हो रही है। ग्राम जबगा और कुर्रा के बिरहोर परिवार एक स्थान पर झोपड़ी बनाकर अपना जीवन यापन कर रहे थे। जब उन्हें शासन द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत पक्का आवास निर्माण हेतु सहायता राशि प्राप्त होना बताया गया तो वह खुशी से फुले नहीं समाये। ये बिरहोर परिवार जो अपने कच्चे मिट्टी के झोपड़ी जिसमें बरसात में पानी टपकता रहता था बरसात में विषैले जानवरों का भी खतरा बना रहता था। पक्के मकानों के इन परिवारों को सुरक्षा और स्थिरता प्रदान की है, जिससे उनमें काफी खुशी है। उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को अपना धन्यवाद ज्ञापित किया है।

सी.आर.आई. सोलर को 210 करोड रुपयों का मल्टी-स्टेट ऑर्डर: 6,894 सोलर पंपिंग सिस्टम की आपूर्ति करेगा

नईदिल्ली। सीआरआई पंप्स का एक प्रमुख प्रभाग औरनवीकरणीय ऊर्जा संचालित जल समाधानों में अग्रणी, सीआरआई सोलरको हाल ही में एक बड़ा ऑर्डर मिला है। उन्हेंमहाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (मेडा), हरियाणा नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी (हरेडा), औरपंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) से कुल 6,894 सोलर पंपिंग सिस्टमकी आपूर्ति, स्थापना और कमीशनिंग का कार्य मिला है। इन सभी ऑर्डरों का कुल मूल्य रुपए 210 करोड़ है। ये प्रतिष्ठित ऑर्डरभारत के कृषि क्षेत्रों में टिकाऊ सिंचाई व्यवस्था को मजबूत करनेके एक बड़े प्रयास का हिस्सा हैं। ये साझेदारियाँ इस बात पर जोर देती हैं किसीआरआई, केंद्र और राज्य सरकारों को नवीकरणीय ऊर्जा और कृषि उत्पादकता के लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। परियोजना का क्रियान्वयन संबंधित एजेंसी की समय-सीमा के अनुसार शुरू होगा। इसमेंसीआरआई सोलरअपनी व्यापक विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए, बड़े पैमाने पर सोलर वाटर पंपिंग परियोजनाओं कोसटीकता और गुणवत्ता आश्वासनके साथ पूरा करेगा।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, सीआरआई ग्रुप के चेयरमैन श्री जी. सौंदर राजन ने कहा: यह समेकित उपलब्धि भारत के ग्रामीण और कृषि परिदृश्य में स्वच्छ, विश्वसनीय और टिकाऊ जल पहुंच को सक्षम बनाने के लिए सीआरआई की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ये परियोजनाएं केवल अवसंरचना से कहीं अधिक हैं—ये ग्रामीण समृद्धि, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के सक्षमकर्ता हैं। जैसे-जैसे भारत अपने स्वच्छ ऊर्जा एजेंडे को बढ़ावा देना जारी रखता है, सीआरआई सोलर नवाचार और प्रभाव के साथ आगे से नेतृत्व करने के लिए तैयार है। पूरे भारत में1,81,000 से ज़्यादा सोलर पंपिंग सिस्टमऔरढ्ढश्व्ञ-सक्षम स्मार्ट समाधानोंकी स्थापना के साथ, सीआरआई पंप्स लगातार ऊर्जा-कुशल और टिकाऊ जल प्रबंधन समाधानों की दिशा में बदलाव का नेतृत्व कर रहा है।

संपादकीय

हिंसक होते प्रदर्शन

मणिपुर में इम्फाल जिले के क्राकेथेल सिंगजामेई में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प हुई। तुलिहाल के उप-विभागीय कलेक्टर कार्यालय को जलाये जाने से सरकारी रिकॉर्ड नष्ट हुए और इमारत को भी नुकसान हुआ। मैतई संगठन अरम्बाई तेंगोल के नेता कानन सिंह समेत चार की गिरफ्तारी का बाद निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। महिला समूहों ने भी इस प्रदर्शन में भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों की आवाजाही में अवरोधक बनाए, सड़कों पर मिट्टी के ढेर लगा दिए और जगह=जगह टायरों को जलाया। हिंसक होते प्रदर्शन को रोकने के लिए इम्फाल पश्चिम व पूर्व, थौबल, बिष्णुपुर, काकचिंग जिलों में निषेधाज्ञा लागू कर इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गई। मई 2023 से मैतई और कुकी के दरम्यान चलल रही जातीय हिंसा में ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। राज्य विधानसभा के निलंबन के बाद से 13 फरवरी से राज्य में राष्ट्रपति शासन के अधीन है। स्थानीय जनता तत्काल सरकार के गठन की मांग कर रही है। सीबीआई विभिन्न आपराधिक गतिविधियों में संलिप्तता के चलते गिरफ्तारियां भी कर रही है। केंद्र द्वारा जून 2023 में तीन सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। उसी साल अगस्त में सबसे बड़ी अदालत ने राज्य की संवैधानिक मशीनरी के पूरी तरह ध्वस्त होने की बात भी की थी। बावजूद इसके केंद्र सरकार का रवैया मणिपुर को लेकर बेहद शर्मनाक है। बेघर हो रही स्थानीय जनता आस-पास के राज्यों में पलायन करे मजबूर है। रोजगार संकट बढ़ता ही जा रहा है। शिक्षा व्यवस्था चरमारा चुकी है। कुकी और मैतई संघर्ष नया नहीं है मगर उसे सुलझाने या शांत करने में केंद्र को जैसी महती भूमिका निभानी चाहिए। उसके प्रति वह उपेक्षा भाव अपनाए है। पूर्वोत्तर राज्यों का यह आरोप है कि उनको समुचित सम्मान नहीं दिया जाता और हमेशा उनके साथ पक्षपात भरा बर्ताव होता है। केंद्रीय गृहमंत्री के दौरे के बावजूद उम्मीद की जा रही थी कि प्रधानमंत्री वहां का दौरा करें मगर विपक्ष के लगातार कटाक्ष के बावजूद नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर की अशांति पर कभी विचार तक नहीं प्रकट किए। प्रदेशवासियों की संवेदनाओं का ख्याल रखते हुए शांति बहाली के प्रति कड़े कदम उठाने चाहिए। देश की अखंडता के प्रति किसी भी तरह की लापरवाही गलत संदेश दे सकती है। जरूरी है, केंद्र को अपने रवैये में लचीलापन लाते हुए दूरदर्शितापूर्ण नजर आना होगा।

पीएम की दो टूक

अब भारत और उसके प्रधानमंत्री मोदी को यह मुद्दा दफ्न ही कर देना चाहिए। विपक्ष को भी समझना चाहिए कि यह राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं है। विपक्ष को इस संदर्भ में मजाकिया टिप्पणियां करने से भी बाज आना चाहिए। सत्ता में आने का उसे भी मौका मिलेगा, तब भी अमरीकी राष्ट्रपति का यही रवैया रहा, तो क्या करेंगे? हमें यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि फोन पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 35 मिनट लंबी बातचीत होने के बावजूद अमरीकी राष्ट्रपति वही पुराना, घिसा-पिटा राग अलाप रहे हैं। बेशक ट्रंप दुनिया की सबसे ताकतवर और संपन्न महाशक्ति के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, तो नरेंद्र मोदी भी सबसे अधिक आबादी, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था और दुनिया के सबसे व्यापक बाजार भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। भारत की अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सोच और क्षेत्रीय अखंडता है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक समझा दिया कि भारत न तो मध्यस्थता स्वीकार करता है, न भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकपरस्त आतंकवाद पर राष्ट्रपति ट्रंप को खुलासा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि गिड़गिड़ाते पाकिस्तान के डीजीएमओ ने बातचीत और संघर्षविराम की गुहार लगाई थी, जिस पर भारत के ही डीजीएमओ ने सैन्य कार्रवाई स्थगित करने की सहमति जताई थी। गौरतलब तो यह है कि पहलगाम नरसंहार की तारीख 22 अप्रैल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली बार फोनिक बातचीत अब हुई है, तो मध्यस्थता के लिए किससे आग्रह किया गया था? प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद भारत के लिए 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि युद्ध है और हम भविष्य में आतंकवाद से इसी आधार पर निपटेंगे। हमारा मानना है कि ट्रंप को यह समझ आ गया होगा! यदि फिर भी वह पुराना राग अलापते रहना चाहते हैं और पाकिस्तान को अमरीका का 'भरोसेमंद साझेदार' मानना चाहते हैं, तो यह उनकी इच्छा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनरो को लंच का आतिथ्य पेश किया है, तो यह अमरीका की कूटनीतिक, व्यापारिक और सामरिक विवशता हो सकती है। यदि अमरीका को ईरान पर हमला करना है, तो उसे पाकिस्तान के एयरबेस और हवाई क्षेत्र की जरूरत पड़ेगी। ईरान के साथ पाकिस्तान की 900 किमी लंबी सीमा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नूरखान एयरबेस, जिसे भारत के हवाई हमलों ने तबाह कर दिया था, अमरीकी नियंत्रण में है। वहां पाकिस्तान के जनरल भी फटक नहीं सकते। बहरहाल उसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा, अमरीका की नजर पाकिस्तान के खनिज संसाधनों पर है। अमरीका ने क्रिप्टो करेंसी का मुख्यालय पाकिस्तान को बनाना तय किया है। वहां राष्ट्रपति ट्रंप के सुपुत्र और दामाद यह धंधा संभालेंगे। बहरहाल देश को प्रधानमंत्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयानों को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे ही भारत सरकार हैं। अब सब कुछ कहने-सुनने को संसद सत्र का इंतजार करना चाहिए।

कितनी सहूलियत देगा 'फास्टैग' का नया नियम?

डॉ. रमेश ठाकुर

'टोल टैक्स' पर आए दिन घटित होती नाना प्रकार की सामान्य-असामान्य घटनाओं को ध्यान में रखते हुए आखिरकार केंद्र सरकार ने एक दफे फिर पुरानी टोल्स नीतियों में बदलाव करते हुए नए फास्टैग नियम लागू करने का ऐलान किया है। बदले नियमों को केंद्र सरकार ने 'सुपरफास्ट फास्टैग' बताया है। हालांकि, ये नवीनतम योजना दो महीने बाद यानी आगामी 15 अगस्त से देशभर में अमल आएगी। इसके संबंध में मोटी-मोटी सूचनाएं विभागीय मंत्री नितिन गडकरी ने बीते गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए देशवासियों से साक्षा की। नई नियमों को लेकर लोगों के जेहन में सिर्फ दो सवाल प्रमुखता से उठ रहे हैं। अव्वल, क्या अब टोल टैक्स पर लगने वाली लंबी-लंबी कतारें कम होंगी। वहीं दूसरा, क्या इससे वाहन चालकों को थोड़ी बहुत रियारत मिल पाएगी?

गौरतलब है कि पिछले वर्ष भी मंत्री नितिन गडकरी ने एक ऐलान किया था कि 60 किमी अंतराल में आने वाले टोल से वसूली नहीं की जाएगी। लेकिन अफसोस वह योजना सिरे नहीं चढ़ पाई। कम दूरी वाले किसी टोल को बंद नहीं किया गया, आज भी टोल्स पर वसूली बदस्तूर जारी है। ज्यादातर पुराने टोल की दूरी 60 किमी से काफी कम हैं। 30-40 किमी की दूरी में ही बने हैं। विगत सालों पहले सरकार ने टोल से नगद वसूली के नियमों को बदलकर जब से फास्टैग योजना को लागू किया था, तब से उसकी आमदनी में चार चांद लग गए। दरअसल, फास्टैग एक इलेक्ट्रॉनिक टोल संग्रह प्रणाली है, जिसे एनएचएआई लीड करती है।

फास्टैग से टोल वसूली का पैसा धीरे सरकार के खजाने में जाता है। फास्टैग रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन तकनीक से उपयोग होती है, जिससे ग्राहक टोल भुगतान सीधे प्रीपेड या बचत खाते से आसानी से करते हैं। वित्तीय वर्ष-2024 में भारत भर में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल संग्रह राजस्व का मूल्य 648 बिलियन भारतीय रुपए से अधिक

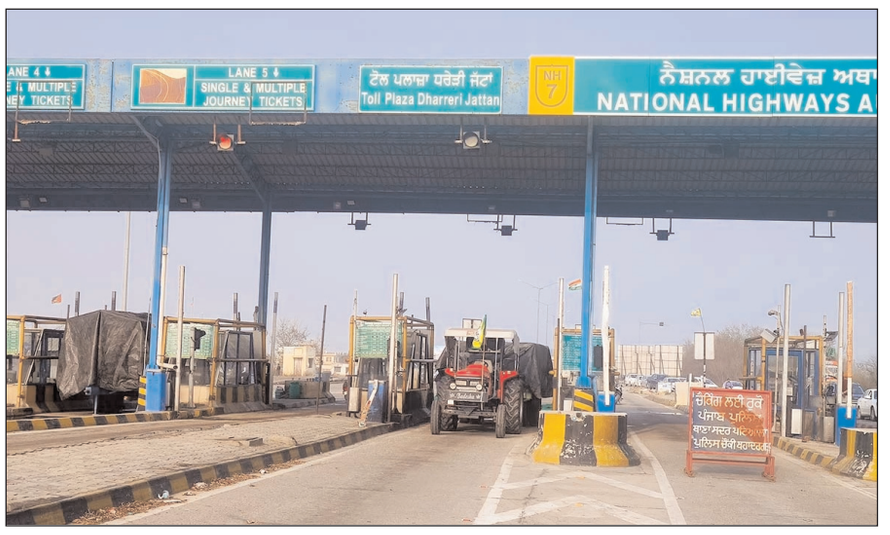

रहा। यही कारण है कि सरकार इस सब्जेक्ट को इतनी गंभीरता से लेकर चल रही है। सरकार का मकसद है कि नए नियमों का फायदा ग्राहकों को भी हो और उनकी आमदनी में भी इजाफा हो?

केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम-1956 और शुल्क नियम-2008 के तहत टोल प्लाजा के माध्यम से शुल्क वसूलती है। नियमों में बदलाव पहले भी कई मर्तबा किए गए। पर, बीते एकाध दशक से टोल वसूली में बेहताशा इजाफा हुआ। जिसे कम करने का आमजन का भारी दबाव सरकार पर है। आम लोगों को मिलने वाली किफायत की जहां तक बात है, तो नई पॉलिसी फिलहाल निजी वाहनों पर लागू होगी। तीन हजार रुपए का वैध वार्षिक पास बनवाने के बाद ग्राहक साल भर की अवधि में 200 टोल टैक्स क्रॉस कर सकेंगे। ये पास मौजूदा फास्टैग में ही संचालित होगा, नया बनवाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

हालांकि, इसमें पेंच एक फंसाया गया है। योजना सिर्फ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और विभिन्न राष्ट्रय राजमार्गों में प्रयोग होगी। राज्य स्तरीय मार्गों-सड़कों, निकाय और नगर निगम की अधिकृत सड़कों को इससे नहीं जोड़ा गया है। योजना से ग्राहकों को जो फायदा होगा, वह ये है कि अभी तक अमूमन प्रत्येक एनएचएआई टोल टैक्स पर भुगतान करने की कीमत 50 रु से लेकर 200 रुपए के बीच होती है। लेकिन 3 हजारी वैध पास के बाद मात्र 15 रूपए ही प्रत्येक टोल पर वसूले जाएंगे। ये फायदा निजी वाहन चालकों को सीधे तौर होगा।

योजना की एक अच्छी बात ये है। चालक अगर साल में 200 टोल्स को क्रॉस नहीं करता है, तो उसकी वैधता अगले वर्ष भी जारी रहेगी। राष्ट्रीय राजमार्गों पर रोजाना और नियमित चलने वालों के लिए 'सुपरफास्ट फास्टैग' योजना निश्चित रूप से कारगर साबित होने वाली है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय पर बीते कुछ वर्षों से टोल प्लाजा पर ट्रैफिक को कम करने का भारी प्रेसर पड़ा है। प्रत्येक दिन कहीं न कहीं मारपीट की घटनाएं रिपोर्ट होती रही हैं। इन सभी से छुटकारा पाने के लिए केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने इस योजना को लागू किया। भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों का विशाल नेटवर्क बिछ चुका है। वर्ष-2014 तक राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 91,287 किलोमीटर थी, जो अब बढ़कर 1,46,195 किलोमीटर हो चुकी है।

अगले 10 सालों में राजमार्गों की लंबाई डेढ़ गुनी तक बढ़ने की संभावनाएं हैं और उसमें नए टोल भी जुड़ेंगे। इसलिए सरकार के लिए ये क्षेत्र कमाई का बड़ा जरिया बन गया है। सरकार को नेशनल हाईवे से प्रति वर्ष पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत चलने वाले टोल बूथों पर टैक्स के तौर पर 1.44 लाख करोड़ रुपये की कमाई हो रही है। इस आंकड़े को पिछले वर्ष का खुद नितिन गडकरी ने संसद में प्रस्तुत किया था। देश में सड़कां का जिस युद्वस्तर पर जाल बिछ रहा है, उससे प्रतीत होता है भविष्य में यह क्षेत्र सरकार की कमाई का सबसे बड़ा जरिया बनेगा। आंकड़ों के मुताबिक हिंदुस्तान में करीब 1,063 टोल प्लाजा हैं जिनमें 457 टोल प्लाजा का निर्माण वर्ष 2025 में किया गया। टोल नीति केंद्र सरकार की वह इकाई है जो सबसे बड़ी कमाउ है। नई 'सुपरफास्ट फास्टैग' नीति से भी उसे ढेरों उम्मीदें हैं। टोल पॉलिसी को केंद्र सरकार राजस्व वसूली का सबसे बड़ा जनरेटर मानती ही है, तभी इसमें नित नए नियमों को जोड़ती चली जा रही है। मात्र दिल्ली-मुंबई मार्ग पर एनएच-48 के वडोदरा-भरूच खंड पर स्थित टोल प्लाजा ने पिछले 5 पांच सालों में 400 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाकर दिए हैं। सहकार ग्रुप लिमिटेड (एसजीएल) भारत में सड़कों के टोल संग्रह में सबसे बड़ी कंपनियों में से एक है। टोल से कमाई के आंकड़ों पर अगर नजर डालें, तो 2018-19 में 25,154.76 करोड़ रुपए, 2019-20 में 27,637.64 करोड़ रुपए, 2020-21 में 27,923.80 करोड़ रुपए, 2021-22 में 33,907.72 करोड़ रुपए और 2022-23 में 48,028.22 करोड़ रुपए अर्जित किए। कमाई बढ़े अच्छी बात है, पर सड़कों की सुरक्षाओं को लेकर वाहन चालकों के प्रति जो चिंताएं हैं वह भी कम होनी चाहिए। सरकार को सुविधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निर्बाध और सुगम सड़क यात्राओं की इच्छाएं सभी में हैं।

भारत की अगली डिजिटल जनगणना (2027) से देश के भविष्य की तस्वीर सामने आएगी

अजय दीक्षित

आशा करनी चाहिए कि 2027 की जनगणना से देश की तस्वीर उभर कर सामने आए।आज केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने 16 साल बाद हो रही पहली डिजिटल जनगणना की अधिसूचना जारी की। इससे पहले 2011में जनगणना हुई थी। 28 राज्योंउत्तराखंड , हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, महाराष्ट्र, गोवा, ओड़िशा, मेघालय, मिजोरम, सिक्किम, पंजाब ,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर, बिहार, पश्चिमी बंगाल, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश,और आठ केंद्र शासित प्रदेशों दिल्ली, जम्मू कश्मीर, लद्दाख, अंडमान निकोबार द्वीप समूह, दमन द्वीप, नगर हवेली, चंडीगढ़,में 34 लाख कर्मचारी जनगणना करेंगे और यह विश्व का अब तक का सबसे बड़ा प्रशासनिक अभियान होगा ।इस जनगणना में एक लाख तीस हजार ऐसे लोग या कर्मचारी होंगे जो इसे डिजिटल प्रारूप में स्थापित करने का काम करेंगे। मार्च 2027 में इस जनगणना के परिणाम जारी किए जाएंगे। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक इस जनगणना में मकान,जमीन, पुरुष, स्त्री,अभय लिंगी, जाति, अनुसूचित जाति, जनजाति,जंगल, पेड़,स्कूल, माध्यमिक विद्यालय, शिक्षक, महाविद्यालय, अन्य शिक्षण संस्थान, मंदिर , मस्जिद, गुरुद्वारा, ब अन्य धार्मिक स्थानों, रीत रिवाजों शौचालय,नलकूप,नहरें,कुलाबे, कुएं, तलाब, झील, झरने, नदियां,नाले,सड़क, पगडंडी,पुल,अन्य बुनियादी ढांचे, मतदान केंद्र,सभी डिजिटल प्रारूप में स्थापित कर गिने जाएंगे। इसमें विधायक, सांसद, पंचायतों के पंच, सरपंच, नगरीय निकायों, पार्षदों, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री,मंत्री, राज्यपाल, राष्ट्रपति,की गिनती होगी ।पहली बार सरकार ने इसे उद्देश्य पूर्ण बनाया है।

जनगणना हमेशा देश की दिशा और दशा तय करती है।

इस जनगणना से जो परिणाम निकलेंगे वह सरकार की योजना, प्रगति, सामाजिक संस्थाओं, बनियादी ढांचों को आवश्यकताओं को इंगित करेंगे। सरकार के समक्ष एक विकल्प होगा कि किस राज्य या प्रदेश में किस प्रकार की जरूरतें हैं।

सामाजिक संस्थाओं,में और समाज में किस राज्य में कौन कौन सी जातीय निवास करती हैं और वे कितने प्रतिशत में है। सरकार आगामी दिनों में इन आंकड़ों से आरक्षण, नौकरियों में, विश्व विद्यालयों, चिकित्सा सेवाओं,में कौन सी जातीय पीछे छूट गयी,इसको भी तय कर सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों और शहरी क्षेत्रों का अकड़ा भी सामने आएगा ।

आगामी जनगणना स्थाई मतदाता सूची भी बनाएगी जिसमें व्यक्ती या नागरिक की 18 वर्ष पूरी होने पर स्वचालित मतदाता सूची में शामिल होगा।

यह प्रक्रिया गरीब, बीपीएल परिवार, खाद्यान्न उपलब्ध कराने का काम भी करेगा।

गृह मंत्रालय के सूत्रों ने बताया है कि जनगणना बहुआयामी और बहुद्देशीय होगी।इस जनगणना से बहुत से विवाद हल करने में सहायता मिल सकती है।

विश्व में प्रत्येक देश में डिजिटल जनगणना हुई है और यह स्थाई है,इसी आधार पर सरकार की योजनाओं को लागू किया जाता है। जन जाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग, धर्म, समुदाय,की गढ़ना होगी । जनगणना सांख्यिकी विशेषज्ञों का मत है कि भारत में अब तक हुए जनगणना से यह जनगणना व्यापक और बहुद्देशीय होगी। विशेषकर उन क्षेत्रों के लिए जो विकास में पीछे हैं।

एक प्रकार से शोषित पीड़ित समाज के लिए महत्वपूर्ण आयाम प्रदान करने वाली है।

अभी सरकार 80 करोड़ लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध कराती है। लेकिन स्टडी फॉर ह्यूमन राइट्स लन्दन में एक रिपोर्ट

गृह मंत्रालय भारत के हवाले प्रकाशित हुई है उसमें कहा गया है कि अभी भारत की जनसंख्या 140 बिलियन है और यह अनुमानित ही है क्योंकि 2011 के बाद के कोई सार्थक प्रमाण नहीं है। स्टडी फॉर ह्यूमन राइट्स लन्दन ने कहा है कि भारत की वास्तविक जनसंख्या अनुमानित से कम हो सकती है। क्योंकि 2011 में जनगणना कागज पर केवल लोगों के व्यक्तिव या कथन से हुई थी। लेकिन अब सॉफ्टवेयर दो बार किसी व्यक्ति की जानकारी आधार कार्ड के अनुसार ही स्वीकार करेगा। इस लिए जनसंख्या 1300 मिलियन भी हो सकती है। जनगणना में जीवन,मृत्यु भी दर्ज होगा ।इससे जीवन और मृत्यु दर का बोध भी होगा।

बताया जाता है कि 2050 में भारत की आबादी बढ़ना बंद हो जाएगी। क्योंकि प्रजनन दर 2.1 अभी है। अगर 1.9 तक गिरी तो मृत्यु दर बढ़ेगी और जन्म दर घटेगी ।समाज शास्त्री ओ के मुताबिक अभी 2030 के बाद वर्तमान मृत्यु दर में बढ़ोत्तरी होगी क्योंकि 60,70,80, के दशक की जन्म वाली पीढ़ी क्रमश 80,70,60 वर्षों के होगी।

नारी शक्ति की डिजिटल उड़ान: तरक्की की नई परिभाषा

सावित्री ठाकुर

वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक निर्णायक बदलाव की शुरुआत हुई, तभी से भारत ने डिजिटल प्रगति की एक नई दिशा पकड़ी। इन 11 वर्षों में 'डिजिटल इंडिया मिशन' जैसे जन-केंद्रित अभियानों ने करोड़ों नागरिकों के जीवन को प्रभावित किया है-विशेषकर महिलाओं के लिए यह परिवर्तन आत्मनिर्भरता, सशक्तिकरण और सम्मान की ओर एक ऐतिहासिक कदम साबित हुआ है। आज की 21वीं सदी में तकनीक सिर्फ शासन और अर्थव्यवस्था को ही नहीं, बल्कि सामाजिक संरचना को भी बदल रही है। और इस बदलाव की सबसे सशक्त मिसाल हैं वे महिलाएं, जो डिजिटल युग में नए अवसरों के साथ नई उड़ान भर रही हैं।

पहले डिजिटल साक्षरता बड़े शहरों तक ही सीमित थी, लेकिन वहां भी इसकी पहुंच कम थी, और ग्रामीण महिलाओं के लिए तो तकनीक जैसे कहीं थी ही नहीं। लेकिन 'डिजिटल इंडिया' मिशन के तहत शुरू किए गए योजनाबद्ध प्रयासों ने इस तस्वीर को पूरी तरह बदल दिया है।

विशेष रूप से 2017 में प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान ने करोड़ों ग्रामीण महिलाओं को डिजिटल रूप से सशक्त किया है। अब वे स्मार्टफोन, इंटरनेट और डिजिटल टूल्स के माध्यम से सरकारी योजनाओं, बैंकिंग सेवाओं, टेलीमेडिसिन और अन्य सुविधाओं का सीधे लाभ उठा रही हैं। इस अभियान के तहत 6 करोड़ से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया गया है, जिनमें 53त्न से ज्यादा महिलाएं हैं। साथ ही, स्वयं सहायता समूहों को ऑनलाइन लेनदेन, उद्यमिता और वित्तीय साक्षरता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए अवसरों से जुड़ पा रही हैं।

2014 में शुरू हुई प्रधानमंत्री जन धन योजना, जो जेएएम ट्रिनिटी ट्रिनिटी (जनधन, आधार, मोबाइल) के साथ मिलकर विश्व का सबसे बड़ा वित्तीय समावेशन कार्यक्रम बन चुकी है, ने भारत में आर्थिक सशक्तिकरण की नई इबारत लिखी है। पहले जहाँ करोड़ों महिलाओं के पास बैंक खाते तक नहीं थे और सरकारी लाभ बिचौलियों के हाथों में चले जाते थे, वहीं अब जनधन, आधार और मोबाइल की ट्रिनिटी ने वित्तीय समावेशन को एक नई दिशा दी है। इस डिजिटल क्रांति के कारण महिलाएं सीधे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के ज़रिए अपने बैंक खातों में योजनाओं का लाभ पा रही हैं। इससे पारदर्शिता के साथ-साथ महिलाओं की आर्थिक भागीदारी और पारिवारिक फैसलों में उनकी भूमिका भी मजबूत हुई है।

डिजिटल कौशल और भविष्य की तैयारी- तकनीक आधारित प्लेटफॉर्म्स ने शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव लाए हैं। स्किल इंडिया मिशन और ई-स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों से लाखों लड़कियों और महिलाओं को उनके मोबाइल पर अब प्रशिक्षण मिल रहा है। इससे वे बेहतर कौशल सीखकर आत्मनिर्भर बन रही हैं और नए रोजगार के अवसर प्राप्त कर पा रही हैं। यह बदलाव पहले के सीमित संसाधनों और पहुंच से कहीं अधिक व्यापक और सशक्त है।

स्वयं और दीक्षा जैसे पोर्टल्स ने महिलाओं को शिक्षा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है, विशेषकर कोरोना महामारी के दौरान जब समस्त दुनिया ठहर सी गई थी। अब महिला एवं बाल विकास मंत्रालय और कौशल विकास मंत्रालय की संयुक्त पहल के अंतर्गत 19 राज्यों के 27 जिलों में किशोरियों को डिजिटल साक्षरता के साथ-साथ रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में अग्रसर हो सकें।

डिजिटल युग में महिला उद्यमिता को नया संबल

एक समय था जब महिलाओं के छोटे व्यवसाय घर की चारदीवारी तक ही सीमित रहते थे और बाज़ार तक पहुंच बनाना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन बीते वर्षों में महिला-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स और लघु उद्योगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है। महिला ई-हाट और गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस जैसे मंचों के माध्यम से अब महिलाएं न केवल अपने उत्पाद ऑनलाइन बेच रही हैं, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में भी अपनी पहचान बना रही हैं। सोशल मीडिया, डिजिटल मार्केटिंग और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम ने उन्हें एक उद्यमी के रूप में आगे बढ़ने और अपना ब्रांड खड़ा करने का आत्मविश्वास दिया है।

स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा में तकनीक की भूमिका- पोषण ट्रैकर, आरसीएच पोर्टल और ईसंजीवनी जैसे डिजिटल टूल्स ने माताओं एवं एवं बच्चों से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी को बेहद आसान और प्रभावशाली बना दिया है। अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और आशा बहनें मोबाइल ऐप्स की मदद से लाभार्थियों की निगरानी, रिपोर्टिंग और सेवा वितरण का कार्य आसानी से कर पा रही हैं।

महिलाओं की सुरक्षा लंबे समय तक एक ऐसा क्षेत्र रहा, जहाँ तकनीक और त्वरित सहायता तंत्र की गंभीर कमी महसूस होती थी। इस कमी को दूर करने के लिए मोदी सरकार ने ईआरएसएस-112, पैनिक बटन और महिला सुरक्षा ऐप्स जैसे प्रभावशाली उपाय लागू किए, जिनसे अब महिलाएं सार्वजनिक स्थलों पर खुद को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित महसूस कर रही हैं।

एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग, और गणित) में महिलाओं की भागीदारी - एसटीईएम जैसे क्षेत्रों में लड़कियों की भागीदारी कभी सीमित मानी जाती थी, लेकिन अब हालात तेज़ी से बदल रहे हैं। विज्ञान ज्योति और बुद्धिमान-किरण योजना जैसी पहलें छात्राओं को एसटीईएम क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित कर रही हैं। भारतीय महिलाएं अब अंतरिक्ष अनुसंधान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोटेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम- पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में डिजिटल तकनीक महिलाओं के जीवन में अभूतपूर्व क्रांति लाई है। 2014 से अब तक समावेशी नीतियों, योजनाबद्ध प्रशिक्षण और तकनीक की पहुँच के ज़रिए लाखों महिलाओं को आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर किया गया है। अमृत काल की ओर बढ़ते भारत में यह परिवर्तन महिलाओं को केवल भागीदार ही नहीं, बल्कि विकास यात्रा की अगुवा बना रहा है। एक डिजिटल रूप से सशक्त महिला आज केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकसित भारत की निर्माता है।

लेखिका महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री भारत सरकार हैं

ब्रह्माजी की पूजा क्यों नहीं होती

ब्रह्माजी के यूं तो कई मंदिर है लेकिन एकमात्र प्रसिद्ध मंदिर राज्स्थान के पुस्कर में है। शैव और शाक्त आगम संप्रदायों की तरह ही ब्रह्माजी की उपासना का भी एक विशिष्ट संप्रदाय है, जो वैखानस संप्रदाय के नाम से प्रसिद्ध है। माध्व संप्रदाय के आदि आचार्य भगवान ब्रह्मा ही माने जाते हैं। इसलिए उडुपी आदि मुख्य मध्वपीठों में इनकी पूजा-आराधना की विशेष परम्परा है। देवताओं तथा असुरों की तपस्या में प्राय: सबसे अधिक आराधना इन्हीं की होती है। लेकिन प्रचरित समाज में इनकी पूजा कोई नहीं करता और न ही इनके नाम का कोई व्रत या त्योहार है। आखिर ऐसा क्यों है? इसके कई कारण बताए जाते हैं। इनमें से प्रमुख तीन कारण

पहला कारण

पुष्कर में ब्रह्माजी को एक यज्ञ करना था और उस वक्त उनकी पत्नीं सावित्री उनके साथ नहीं थी। उनकी पत्नी सावित्री वक्त पर यज्ञ स्थल पर नहीं पहुंच पाईं। यज्ञ का समय निकल रहा था। लिहाजा ब्रह्माजी ने एक स्थानीय ग्वाल बाला गायत्री से शादी कर ली और यज्ञ में बैठ गए। जाट इतिहास अनुसार यह गायत्री देवी राजस्थान के पुष्कर की रहने वाली थी जो वेदज्ञान में पारंगत होने के कारण विख्यात थी और जाट ही थी।

सावित्री थोड़ी देर से पहुंचीं। लेकिन यज्ञ में अपनी जगह पर किसी और औरत को देखकर गुस्से से पागल हो गईं। उन्होंने ब्रह्माजी को शाप दिया कि जाओ इस पृथ्वी लोक में तुम्हारी कहीं पूजा नहीं होगी। सावित्री के इस रुप को देखकर सभी देवता लोग डर गए। उन्होंने उनसे विनती की कि अपना शाप वापस ले लीजिए। जब गुस्सा ठंडा हुआ तो सावित्री ने कहा कि इस धरती पर सिर्फ पुष्कर में आपकी पूजा होगी। कोई भी दूसरा आपका मंदिर बनाएगा तो उसका विनाश हो जाएगा। ब्रह्माजी ने पुष्कर झील किनारे कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णमासी तक यज्ञ किया था, जिसकी स्मृति में अनादि काल से यहां कार्तिक मेला लगता आ रहा है। यहां विश्व में ब्रह्माजी का एकमात्र प्राचीन मंदिर है। मंदिर के पीछे रत्नागिरि पहाड़ पर जमीन तल से दो हजार तीन सौ 69 फुट की ऊंचाई पर ब्रह्माजी की प्रथम पत्नी सावित्री का मंदिर है। झील की उत्पत्ति के बारे में किंवदंती है कि ब्रह्माजी के हाथ से यहीं पर कमल पुष्प गिरने से जल प्रस्फुटित हुआ जिससे इस झील का उद्भव हुआ। राजस्थान में अजमेर शहर से 14 किलोमीटर दूर पुष्कर झील है। पुष्कर के उद्भव का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है।

दूसरा कारण

प्रमुख देवता होने पर भी इनकी पूजा बहुत कम होती है। दूसरा कारण यह की ब्रह्मांड की थाह लेने के लिए जब भगवान शिव ने विष्णु और ब्रह्मा को भेजा तो ब्रह्मा ने वापस लौटकर शिव से असत्य वचन कहा था।

तीसरा कारण

जगत पिता ब्रह्माजी की काया कांतिमय और मनमोहक थी। उनके मनमोहक रूप को देखकर स्वर्ग अप्सरा मोहिनी नाम कामासक्त हो गई और वह समाधि में लीन ब्रह्माजी के समीप ही आसन लगाकर बैठ गई। जब ब्रह्माजी की तांद्रा टूटी तो उन्होंने मोहिनी से पूछा, देवी! आप स्वर्ग का त्याग कर मेरे समीप क्यों बैठी हैं?

मोहिनी ने कहा, 'हे ब्रह्मदेव! मेरा तन और मन आपके प्रति प्रेममत्त हो रहा है। कृपया आप मेरा प्रेम स्वीकार करें।'

ब्रह्मजी मोहिनी के कामभाव को दूर करने के लिए उसे नीतिपूर्ण ज्ञान देने लगे लेकिन मोहिनी ब्रह्माजी को अपनी ओर असक्त करने के लिए कामुक अदाओं से रिझाने लगी। ब्रह्माजी उसके मोहपाश से बचने के लिए अपने इष्ट श्रीहरि को याद करने लगे।

उसी समय सप्तऋषियों का ब्रह्मलोक में आगमन हुआ। सप्तऋषियों ने ब्रह्माजी के समीप मोहिनी को देखकर उन से पूछा, यह रूपवति अप्सरा आप के साथ क्यों बैठी है? ब्रह्मा जी बोले, 'यह अप्सरा नृत्य करते-करते थक गई थी विश्राम करने के लिए पुत्री भाव से मेरे समीप बैठी है।' सप्तऋषियों ने अपने योग बल से ब्रह्माजी की मिथ्या भाषा को जान लिया और मुस्कुरा कर वहां से प्रस्थान कर गए। ब्रह्माजी के अपने प्रति ऐसे वचन सुनकर मोहिनी को बहुत गुस्सा आया। मोहिनी बोली, मैं आपसे अपनी काम इच्छाओं की पूर्ति चाहती थी और आपने मुझे पुत्री का दर्जा दिया। अपने मन पर संयम होने का बड़ा घमंड है आपको तभी आपने मेरे प्रेम को ठुकराया। यदि मैं सच्चे हृदय से आपसे प्रेम करती हूं तो जगत में आपको पूजा नहीं जाएगा।

आजमाएं ये वास्तु टिप्स बदल जाएगी किस्मत

वास्तु क्या है, क्यों है, लोग क्यों इसे इतना महत्व देते है, ये बाते तो आप सभी जानते होंगे। लेकिन आज हम आपको वास्तु शास्त्र से जुड़े उन तथ्यों के बारे में बताने जा रहे है, जिन्हे जानकर आप चौंक जाएंगे। ये जानकर आप चौंक जाएंगे कि आधी से ज्यादा जनता इन गलतियों को रोजाना दोहराती है, जिससे उनके घर में आए दिन दिक्कतें आती रहती है।

- सूर्यास्त के बाद कभी भी दूध, दही और प्याज नहीं देना चाहिए, ऐसा करने से आपका भाग्य रूठ जाता है, फिर चाहे वो बाहर का कुत्ता ही क्यों न हो।
- आम तौर पर लोग खुशी के मौके पर मिठाइयां बांटते है, लेकिन ज्योतिष शास्त्र कहता है कि हर 2 महीने में दफ्तर में अपने साथियों के संग मिठाई बांटकर खानी चाहिए, इससे तरक्की के रास्ते खुलते है। वैसे ये कहनी वाली बात तो नहीं है कि रात में जूठे बर्तन सिंक में नहीं रखने चाहिए, इससे लक्ष्मी जी रूठ जाती है।
- ध्यान रहे कि कूड़ादान ठीक प्रवेश द्वार के आगे न रखे, ऐसा करने से लक्ष्मी जी घर में प्रवेश नहीं करती।
- ध्यान रहे महीने में एक बार घर में खीर जरूर बनाएं और लक्ष्मी जी को भोग लगाकर घर वालों के साथ बैठकर खाएं, इससे घर में दरिद्रता नहीं आती।
- रोज सोने से पहले बाथरूम और किचन में एक बाल्टी पानी भर के रखें, इससे धन लाभ होगा और उन्नति के रास्ते खुलेंगे।

बिगड़ी बात के साथ जीवन संवारने में ऐसे मदद करता है पान

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार पान को बहुत पवित्र और शुभ माना जाता है। यहां तक कि पूजा-पाठ के दौरान भी इसका इस्तेमाल किया जाता है। शास्त्रों में तो यह तक लिखा गया है कि पान के कुछ खास टोटके या उपाय किए जाएं तो जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाई जा सकती है। जीवन में सब कुछ अच्छा चलता रहे और शुभता बनी रहे इसके लिए मंगलवार या शनिवार को हनुमानजी के एक पान जिसमे कत्था, गुलकंद, सौंफ, खोपरे का बूरा और सुमन कतरी आदि सामग्री हो चढ़ाएं। अगर सात सप्ताह तक कोई भी जातक इस प्रयोग को करे तो उसे हनुमानजी की कृपा मिलती है और हर समस्या दूर होती चली जाती है। अगर आपके घर में आर्थिक तंगी चल रही हो, व्यवसाय में लगातार घाटा हो रहा हो तो ऐसे में घर के प्रत्येक सदस्य को होलिका दहन में देशी घी में भिगोई हुई दो लौंग, एक बताशा और एक पान का पत्ता अवश्य चढ़ाना चाहिए। इसके बाद होली की ग्यारह परिक्रमा करते हुए सूखे नारियल की आहुति देनी चाहिए। ऐसा करने से घर की आर्थिक तंगी खत्म होती है और घर मे सुख शांति बनी रहती है। यदि आपका कोई काम पूरा होने से पहले ही अटक जाता हो या ऐन मौके पर आपका काम खराब हो जाता है तो जातक को रविवार को एक पान का पत्ता लेकर घर से बाहर निकलना चाहिए। दो महीने तक यह प्रयोग करने से रुके हुए सभी कार्य संपन्न होना शुरू हो जाएंगे। होने वाले जीवनसाथी को अपने प्रति आकर्षित करने के लिए पान के पत्ते की जड़ को घिसकर तिलक लगाएं। ऐसा करने से विवाह के लिए देखने आए लोग मोहित हो जाएंगे और आपका विवाह पक्का हो जाएगा।

रोज सुबह 108 बार करें

इस मंत्र का जाप

चंद्र के अशुभ प्रभाव से मिलेगा छुटकारा

जैसे कि बहुत लोगों को जानते होंगे कि ज्योतिष के अनुसार व्यक्ति की कुडंली पर नव ग्रहों का प्रभाव होता है। प्रत्येक ग्रह व्यक्ति पर विभिन्न प्रभाव डालता है। लेकिन इनमें से एक ग्रह ऐसा जो हर ढाई दिन में अपनी स्थिति को बदलता है और वो है चंद्र ग्रह। यह मन का कारक माना जाता है, इस ही कराण इसका शुभ-अशुभ प्रभाव व्यक्ति के मन पर होता है। यदि किसी व्यक्ति की कुंडली में चंद्र अशुभ हो तो उसका मन किसी काम में नहीं लगता। आगे जानें इसके अशुभ प्रभाव से बचने के उपाय

चंद्र के दोष दूर करने के लिए सोमवार को दही, चीनी, चावल, सफेद जनेऊ और सफेद वस्त्रों का दान किसी गरीब व्यक्ति को करना चाहिए। अगर आप ये चीजें किसी गरीब को देंगे तो उसकी दुआओं से चंद्र के अशुभ असर कम हो सकते हैं और परेशानियों से मुक्ति मिल सकती है।

- सोमवार को शिव की भक्ति व व्रत करें व प्रतिदिन अपनी माता के पैर छूकर उनका आर्शीवाद लें।
- रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। जल चढ़ाते समय ऊ सोम सोमाय नम: मंत्र का जाप 108 बार करना चाहिए।
- चंद्र के दोषों को दूर करने के लिए हर सोमवार व्रत करना चाहिए।
- चंद्र के दोष दूर करने के लिए किसी भी सोमवार को चांदी और मोती का दान करना चाहिए। साथ ही, चांदी की अंगूठी में मोती धारण करना चाहिए। ये अंगूठी सबसे छोटी उंगली में पहनना चाहिए।

कुंडली के लग्न के आधार पर जानें कब होगा आपका भाग्योदय

भृगु संहिता के अनुसार व्यक्ति के जीवन पर उसके भाग्य या किस्मत का बहुत गहरा प्रभाव माना जाता है। व्यक्ति के सुख-दुख, सफलता-विफलता अमीरी-गरीबी आदि सबका संबंध उसके भाग्य के साथ होता है। शास्त्रों के अनुसार व्यक्ति को जो कुछ मिलता या जो भी उसके पास होता है वो उसे उसके भाग्य के कारण ही प्राप्त होता है। परंतु यदि व्यक्ति पुरुषार्थ करे तो उसके द्वारा उसका भाग्य बदला भी जा सकता है।

हिंदू ज्योतिष शास्त्र भृगु संहिता एक ऐसा ग्रंथ है जिसमें व्यक्ति के भाग्योदय से संबंधित कई बातें बताई गई है। क्योंकि भृगु संहिता में ज्योतिष से संबंधित समस्त जानकारियां दी गई है, इसलिए इसमें कुंडली के लग्न के आधार पर बताया गया है कि व्यक्ति का भाग्योदय कब हो सकता है। भृगु संहिता के रचयिता ऋषि भृगु की ख्याति एक ऐसे कालातीत भविष्यवक्ता के रूप में है जो भूत, भविष्य और वर्तमान पर समान दृष्टि रखते थे। वह समय की मोटी दीवार के आर-पार ऐसे देख सकते थे जैसे किसी पारदर्शी कांच में से देख रहे हों। उन्होंने प्रमाणित किया है कि कुंडली के लग्न को देखकर मालूम किया जा सकता है कि किस संभावित उम्र में व्यक्ति को भाग्य का साथ और धन का सुख मिल सकता है। जानिए किस-किस उम्र में आपका भाग्योदय हो सकता है-

मेष लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय सामान्यत: 16, 22, 28, 32 और 36 वर्ष की आयु में, वृष लग्न की कुंडली का भाग्योदय 25, 28, 36 और 42 वर्ष की आयु में, मिथुन लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 22, 32, 35, 36, 42 वर्ष की आयु में, कर्क लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 16, 22, 24, 25, 28 या 32 वर्ष की आयु में और सिंह लग्न की कुंडली का भाग्योदय 16, 22, 24, 26, 28 या 32 वर्ष की आयु में हो सकता है। जबकि कन्या लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 16, 22, 25, 32, 33, 34 एवं 36 आयु वर्ष में और जिनकी कुंडली तुला लग्न की है, उनका भाग्योदय 24, 25, 32, 33, 35 वर्ष की आयु में हो सकता है।

वृश्चिक लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 22, 24, 28 और 32 वर्ष की आयु में तो धनु लग्न की कुंडली का भाग्योदय 16, 22 या 32 वर्ष की आयु में हो सकता है। इसी तरह मकर लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 25, 33, 35 या 36 वर्ष की आयु में, कुंभ लग्न की कुंडली का भाग्योदय 25, 28, 36 या 42 वर्ष की आयु में और मीन लग्न की कुंडली वालों का भाग्योदय 16, 22, 28 या 33 वर्ष की आयु में हो सकता है।

वर्तमान में भृगु संहिता की जो भी प्रतियां उपलब्ध हैं वे अपूर्ण हैं। इस शास्त्र से प्रत्येक व्यक्ति की तीन जन्मों की जन्मपत्री बनाई जा सकती है। प्रत्येक जन्म का विवरण इस ग्रंथ में दिया गया है। यहां तक कि अजन्मे शिशु का भविष्य बताने में भी यह ग्रंथ सक्षम माना गया है। भृगु संहिता ज्योतिष का एक विशाल ग्रंथ है। इसकी कुछ मूल प्रतियां आज भी सुरक्षित हैं।

संक्षिप्त समाचार

कमला कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर दिखा उत्साह, छात्राओं ने सीखा योग के माध्यम से जीवन संतुलन

राजनांदगांव। शासकीय कमलादेवी राठी स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव के क्रीड़ा विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से 21 जून 2025 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में महाविद्यालयीन स्टॉफ एवं छात्राएँ ने भाग लिया। कार्यक्रम के संचालन करते हुए क्रीड़ाधिकारी डॉ. नीता एस. नायर ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग है। इस उद्देश्य को ध्यान रखते हुए डॉ. नीता एस. नायर ने अपने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग को अपने दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी। महर्षि पंतजलि द्वारा अष्टांग योग जिसके अंतर्गत यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, साधना, ध्यान एवं समाधि आते है। हम सभी आसन एवं प्राणायाम को ही योग समझते है, जबकि योग का अभ्यास करने वाले व्यक्ति को अपने व्यवहार एवं आहार में संयम रखनी चाहिए एवं स्वस्थ्य रहने के लिए योग के नियमित अभ्यास की सलाह दी। कार्यक्रम के प्रारंभ के प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा द्वारा योग की महत्ता पर प्रकाश डाला गया तथा सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं दी गई। योग प्रशिक्षक खिलेन्द्र कुमार सोनी ने शासन द्वारा जारी योगाभ्यास कम (प्रोटोकॉल) के अनुसार विभिन्न आसन जिसके अंतर्गत वृक्षासन, पादहस्तासन, अर्धचकासन, त्रिकोणासन, भद्रासन, वज्रासन, उष्ट्रासन, शाशकासन, शवासन एवं प्राणायाम के अंतर्गत कपालभाति, अनुलोम विलोम, भ्रामरी प्राणायाम, शीतली प्राणायाम आदि कराया एवं उससे होने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. ओंकार लाल श्रीवास्तव ने भी छात्राओं को योग करने हेतु प्रेरित किया एवं स्मरणशक्ति बढ़ाने हेतु विभिन्न आसन एवं प्राणायाम सिखाया।

फिर पकड़ाए अवैध रेत परिवहन करते 13 हाईवा, बिना पिटपास के परिवहन करने पर की गई जब्ती

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर धमतरी जिले में अवैध खनिज परिवहन, भण्डारण और उत्खनन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग सहित राजस्व और पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त कार्रवाई में बिना पिटपास के रेत का अवैध परिवहन करते 13 हाइवा वाहनों को जब्त किया गया। यह हाईवा धमतरी जिले के बोरसी, राजपुर, दोनर, मंदरौद, ढीमरटिकुर आदि भंडारण क्षेत्रों से जब्त किए गए हैं। जिला खनिज अधिकारी ने बताया कि इन जप्त वाहनों में से 7 हाइवा कम्पोजित भवन के पास, एक हाईवा भखारा थाना में 2 हाईवा बिरेझर चौकी में और 3 हाईवा कुरुद मंडी में अभिरक्षा में रखे गए हैं। इन हाईवा वाहनों को छत्तीसगढ़ गौण खनिज अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर जब्त किया गया है। जिला खनिज अधिकारी ने कहा है कि अवैध खनिज परिवहन, भण्डारण और उत्खनन पर लगातार कार्रवाई आगे भी की जाती रहेगी।

घर में अकेली पाकर युवती से दुष्कर्म, आरोपी तत्काल गिरफ्तार

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव थाना क्षेत्र में एक युवती को घर में अकेला पाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार, 21 जून 2025 को पीड़िता ने डोंगरगांव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह अपने भाई के साथ घर में रहती है, क्योंकि उसके माता-पिता नहीं हैं। 21 जून को जब उसका भाई काम पर बाहर गया हुआ था, तब पीड़िता घर में अकेली थी। इसी दौरान गांव का ही रहने वाला आरोपी हेमंत राजपूत (उम्र 24 वर्ष, पिता देवकुमार राजपूत, निवासी ग्राम दर्री, थाना डोंगरगांव) जबरन उसके घर में घुस गया और उससे बलात्कार किया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम सम्पन्न, बलिदान को किया याद

जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में आयोजित कार्यक्रम में अनेक कार्यकर्ताओं ने अर्पित की श्रद्धांजलि

मुंगेली(समय दर्शन) भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि बलिदान दिवस के रूप में सोमवार, 23 जून को जिलेभर में श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला भाजपा कार्यालय मुंगेली में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर डॉ. मुखर्जी को नमन किया गया।

कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानी एवं वरिष्ठ भाजपा नेता द्वारिका जायसवाल ने उनके राष्ट्रवादी विचारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जम्मू-कश्मीर को भारत का पूर्ण और अभिन्न हिस्सा बनाना चाहते थे। उन्होंने संसद में धारा 370 को समाप्त करने की पुरजोर वकालत की थी। अगस्त 1952 में उन्होंने जम्मू-कश्मीर की एक रैली में संकल्प लिया था ङ्क या तो मैं आपको भारतीय संविधान दिलाऊंगा या फिर इसके लिए अपने प्राणों का बलिदान दूंगा।

जिला मीडिया प्रभारी एवं प्रदेश आईटी सेल कार्यसमिति सदस्य सुनील पाठक ने कहा कि अपने संकल्प को साकार करने हेतु वे 1953 में बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर पहुंचे, जहां उन्हें गिरफ्तार कर जेल में रखा गया। 23 जून 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में उनकी जेल में मृत्यु हो गई, जिसने देश को झकझोर दिया और अंतत: परमिट प्रणाली समाप्त हो गई।

नगर मंडल के पूर्व महामंत्री रामशरण यादव ने कहा कि डॉ. मुखर्जी के जीवन से हमें राष्ट्र के लिए नि:स्वार्थ सेवा की प्रेरणा मिलती है। युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य यश गुप्ता ने उनके प्रसिद्ध नारे एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे को दोहराते हुए कहा कि यह आज भी देशभक्ति की मिसाल है। इस अवसर पर गणेश बाजपेयी, जिला कार्यालय मंत्री कोटूमल दादवानी, श्रीमती सरस्वती सोनी, श्वेता सोनी, गायत्री भोई, रितिमा लाल, यशोदा यादव, रमेश बुनकर, विजय यादव, सुनील सोनी, हीरालाल साहू, शैलेंद्र यादव, अनूप जैन, होरीलाल सोनकर, राहुल पाठक, रविन्द्र केशरवानी, प्रमोद जांगड़े, विजेंद्र देवांगन, पवन मिश्रा, संतोष लखवानी, हरीश दरड़ा, सचिन यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन नगर मंडल महामंत्री मन्नूलाल श्रीवास्तव ने किया तथा आभार प्रदर्शन महामंत्री महावीर सिंह ने व्यक्त किया।

विधायक एवं कलेक्टर ने मुंगेली शहर में विभिन्न निर्माण कार्यों का किया अवलोकन

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखने और स्वच्छता बनाए रखने के दिये आवश्यक निर्देश

मुंगेली (समय दर्शन) विधायक पुन्नूलाल मोहले एवं कलेक्टर श्री कुन्दन कुमार ने मुंगेली शहर में विभिन्न निर्माण कार्यों का अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक एवं कलेक्टर ने महाराणा प्रताप वार्ड स्थित रोड क्रॉसिंग नाले का निरीक्षण किया और नाले के पाइप की सुरक्षा के लिए जीएसबी डालने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर पालिका परिषद के सीएमओ को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखने और नाले की उचित साफ-सफाई कराने भी निर्देशित किया। विधायक एवं कलेक्टर ने महाराणा प्रताप वार्ड स्थित तारबांधा तालाब के पास नवनिर्मित रोड का निरीक्षण किया और रोड के दोनों ओर साइड सोल्डर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने तालाब के सौंदर्यीकरण के लिए भी कार्ययोजना बनाकर प्रस्ताव देने कहा। विधायक एवं कलेक्टर ने मलाई घाट के पास नदी कटाव का भी निरीक्षण किया और नदी के पास पिचिंग कार्य एवं रिटेनिंग वॉल निर्माण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बालानी चौक स्थित बाल उद्यान के जीर्णोद्धार हेतु बाउंड्री वॉल निर्माण, पेवर ब्लॉक, पेंटिंग एवं चबूतरा निर्माण आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए और चौपाटी के सौंदर्यीकरण के लिए कार्य योजना बनाने निर्देशित किया। इस दौरान संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राही मजदूरी से वंचित : सुधीर गोलछा

छुईखदान। छत्तीसगढ़ के खैरागढ़ जिले के छुईखदान जनपद पंचायत अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को मनरेगा के तहत मिलने वाली 90 दिन की अकुशल मजदूरी अब तक नहीं मिल पाई है। इस गंभीर मामले को लेकर जनपद पंचायत के सभापति सुधीर गोलछा ने कड़ा रुख अपनाया है।

श्री गोलछा ने जनपद की हालिया बैठक में इस विषय को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि काशीटोला ग्राम पंचायत के चार अनुसूचित जाति के हितग्राही-विष्णु दास, अंजोर दास समेत अन्य बीते दो वर्षों से मजदूरी भुगतान के लिए दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी तक एक भी रूपया नहीं मिला है।

यह न केवल हितग्राहियों के साथ अन्याय है, बल्कि शासन की योजनाओं की साख पर भी सवाल खड़ा करता है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से मांग की कि सभी लाभार्थियों को तत्काल मजदूरी राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

इस मामले में जब मनरेगा के परियोजना अधिकारी सिद्धार्थ जैसवाल से संपर्क किया गया, तो उन्होंने बताया कि कुछ हितग्राहियों का वर्क कोड अब तक जनरेट नहीं हो पाया, जिस कारण भुगतान लंबित है। उन्होंने आश्वासन दिया कि वर्क कोड की प्रक्रिया जल्द पूर्ण कर मजदूरी का भुगतान कर दिया जाएगा, जबकि सभापति गोलछा का कहना है कि जनपद पंचायत के कुछ अधिकारियों ने इस मामले में लापरवाही किए हैं, जिसकी सजा गरीब भुगत रहें हैं।

श्री गोलछा ने कहा कि यदि प्रशासन जल्द से जल्द समाधान नहीं करता, तो वे इस मुद्दे को जिला और राज्य स्तर तक ले जाने से पीछे नहीं हटेंगे।

मनरेगा और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे कल्याणकारी कार्यक्रमों का उद्देश्य गरीब और कमजोर वर्गों को आर्थिक संबल देना है, लेकिन ऐसी लापरवाहियां योजनाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करती हैं।

उपरोक्त बैठक में विधायक प्रतिनिधि विनोद ताम्रकार, समिति के सदस्य दुष्यंत जंघेल, ज्योति जंघेल सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हुए।

दिशा समिति की मैराथन बैठक : लगभग 65 योजनाओं की हुई समीक्षा

अध्यक्ष श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और उपाध्यक्ष श्री भोजराज नाग सहित कई जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

सभी का एकमत-सरकारी योजनाओं का लोगो अधिक से अधिक मिले लाभ

ब्यूरों सैय्यदा मुनीज़ा हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / महासमुंद लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति की महत्वपूर्ण बैठक हुई। लगभग चार घंटे चली इस मैराथन बैठक में केन्द्र सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न विभागों की लगभग 65 योजनाओं की जिले के परिप्रेक्ष्य में समीक्षा की गई। कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद और समिति के उपाध्यक्ष श्री भोजराज नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री अरूण सार्वा,

सहित सभी जनपद पंचायतों-नगर पंचायतों के अध्यक्ष भी बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में मनोनित सदस्य के रूप में पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, श्री शशि पवार, श्री सुनील गायकवाड़, श्री गिरधर सार्वा, श्री बिमलेश मीनपाल, श्रीमती डोमेश्वरी साहू, श्री ओमप्रकाश यादव, श्रीमती पुष्पलता साहू सहित कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार, वनमण्डलाधिकारी श्रीकृष्ण जाधव, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव और विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकरी भी शामिल हुए।

बैठक में महासमुंद सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों का मुख्य उद्देश्य सरकारी योजनाओं से अपने-अपने क्षेत्र के लोगों को अधिक से अधिक लाभान्वित करना है। अपने क्षेत्र में विकास की योजनाओं का पूरी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ संचालन सभी जनप्रतिनिधि चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों ही मिलकर शहरों से लेकर दूरस्थ वनांचलों तक विकास कार्यों की मंशा रखती है और इसके लिए कई योजनाएं और कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। श्रीमती चौधरी ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हम सभी जनप्रतिनिधियों को भी इन सभी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में भागीदार होना होगा। योजनाओं की अधिक से अधिक जानकारी लोगों तक पहुंचानी होगी और सभी पात्र लोगों को योजनाओ का लाभ दिलाने का प्रयास करना होगा। महासमुंद सांसद ने दिशा समिति की अध्यक्ष के रूप में केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की जिले में क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को जरूरी निर्देश भी दिए। इस दौरान जिले कों राष्ट्रीय बागवानी मिशन में शामिल कराने के लिए केन्द्र सरकार के स्तर पर श्रीमती रूपकुमारी चौधरी के प्रयासों पर बैठक में सभी ने कृतज्ञता व्यक्त की।

उपाध्यक्ष के रूप में बैठक में मौजूद कांकेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री भोजराज नाग ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए हमेशा शासन-प्रशासन की मदद करनी चाहिए। गलत और जनविरोधी कामों-व्यवहारों पर प्रशासन की कार्रवाई में बेवजह हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए, बल्कि ऐसे कामों पर आवाज उठानी चाहिए। श्री नाग ने कहा कि समीक्षा बैठकों में ही नहीं, बल्कि विकास कार्य स्वीकृत होने के समय ही जनप्रतिनिधियों को इसकी जानकारी दी जानी चाहिए। श्री नाग ने इस बात पर जोर दिया कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि मिलकर समन्वय से काम करेंगे तो क्षेत्र का विकास तेजी से होगा।

बैठक में खेती-किसानी की योजनाओं की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने जिले में रागी की खेती के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने मिट्टी परीक्षण और फसलों में खाद आदि की अनुशंसा की जानकारी समय पर किसानों को उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। श्रीमती चौधरी ने यह भी कहा कि मिट्टी परीक्षण की रिपोर्ट आने के बाद किसानों को समय पर उसकी लिखित रिपोर्ट मृदा स्वास्थ्य कार्ड के रूप में दी जानी चाहिए। उन्होंने जिले में मिट्टी परीक्षण के काम में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। इस दौरान श्रीमती चौधरी ने उद्यानिकी विभाग के तहत स्वीकृत चार पैक हाउस में से केवल दो ही स्थापित होने और दो पैक हाउस स्थापित नहीं हो पाने के कारण राशि लेप्स हो जाने का कारण भी पूछा। उन्होंने ऐसी लाभकारी योजनाओं के लिए किसानों का चयन उनकी क्षमताओं का आंकलन कर पूरी सावधानी से करने को कहा।

बैठक में जिले में नगरी-मगरलोड क्षेत्र में नारियल की खेती, औषधीय पौधों की खेती और पॉम आई फसलों की खेती के बारे में भी चर्चा की गई। बैठक में फसल बीमा योजना के तहत किसानों को उनकी मौसम बिगड़ने के कारण खराब हुई फसलो की दावा-क्षतिपूर्ति राशि का समय पर समायोजन कराने के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

सुरेश सिंगौर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ का कबीरधाम जिले में दौरा कार्यक्रम संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष माननीय घनश्याम वर्मा जी के दिशा निर्देशानुसार प्रदेश युवा अध्यक्ष श्री सुरेश सिंगौर के नेतृत्व में कबीरधाम जिला के ग्राम बाजार चारभाठा में युवा संगठन के बैठक में हुए शामिल श्री संतोष कौशिक जिला अध्यक्ष के अध्यक्षता में बैठक रखी गई थी। जहां पर युवाओं के द्वारा प्रदेश युवा अध्यक्ष श्री सुरेश सिंगौर एवं साथ में पहुंचे रायपुर जिला के जिला अध्यक्ष श्री अंधीन जंघेल, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री राजेंद्र जंघेल, जिला महामंत्री दीपक जँघेल एवं प्रदेश प्रचार सचिव भूपेंद्र चंदेल,डॉ मनोज कौशिक का श्री रुपेश कौशिक युवा जिला अध्यक्ष लोधी समाज कबीरधाम के नेतृत्व में जोशीला स्वागत कर गुलदस्ता भेंट कर किया गया। तत्पश्चात वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी प्रतिमा का पूजा अर्चना एवं माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इसके तत्पश्चात बैठक का शुभारंभ हुआ। मंच संचालन श्री संजीव कौशिक जिला महासचिव लोधी समाज कबीरधाम के द्वारा किया गया। स्वागत उद्बोधन रुपेश कौशिक युवा जिला अध्यक्ष किया तथा सभी अतिथियों ने समाज के युवाओं को बारी बारी उद्बोधन किया और समाज में एकजुट रहने के लिए प्रेरित किया। सुरेश सिंगौर युवा प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ ने युवा लोधी समाज के संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं की प्रदेश में भागीदारी सुनिश्चित करने एवं प्रदेश में विस्तार करने के लिए सभी सर्किलों से पैनल में तीन-तीन युवाओं को नामित किया जाएगा। जिस में उनके कार्य शैली प्रतिभा के आधार पर युवा प्रदेश में विभिन्न पदों पर नियुक्ति किया जाएगा। श्री सिंगौर जी ने कहा की माननीय श्री घनश्याम वर्मा जी प्रदेश अध्यक्ष लोधी समाज छत्तीसगढ़ निर्वाचित हुआ है, तब से लगातार समाज को नई दिशा दे रहे हैं जैसे की पहले कबीरधाम जिला पर चार सर्किल हुआ करता था उसको परिसीमन कराया और 8 सर्किल बनाएं तथा कबीरधाम जिला बड़ी जिम्मेदारी सामाजिक जनों जैसे की राष्ट्रीय संगठन मंत्री, प्रदेश उपाध्यक्ष, प्रदेश प्रचार सचिव ऐसे विभिन्न जिम्मेदारी आपके जिला को अगर किसी ने दिल से कबीरधाम जिला को सम्मान देने का काम किया है तो वह श्री घनश्याम वर्मा जी ने सम्मान किया है। सभी भेदभाव को भूलकर समाज के लिए सभी एक होकर काम करें संगठन और समाज से बड़ा व्यक्ति नहीं हो सकता। प्रदेश के सभी वरिष्ठ जनों एवं जिला अध्यक्ष के उपस्थिति में कहा की सभी सर्किल अध्यक्ष अपने अपने सर्किल में मीटिंग बुलाकर ज्यादा से ज्यादा युवाओं के उपस्थित हो और उनके उपस्थिति में मीटिंग कर पैनल में नाम भेजें ताकि परिदृश्यता के साथ नियुक्ति हो सके व सभी ने दोनों हाथ उठाकर संगठन से संबंधित कुछ निर्णय को सर्वसम्मति समर्थन किया। माननीय श्री घनश्याम वर्मा प्रदेश अध्यक्ष महोदय जी एवं उनके पूरे संगठन के लिये हाथ ऊपर उठाकर विश्वास व्यक्त किया। सफल आयोजन के लिए युवा प्रदेश अध्यक्ष ने बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं दी। आभार व धन्यवाद प्रेषित कर श्री राजेश कौशिक जी जिला संगठन सचिव ने बैठक की समापन किया।*

इसके अलावा बैठक में कबीरधाम जिला के अध्यक्ष श्री संतोष कौशिक, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी श्री पीलाराम कौशिक, श्री जीवन कौशिक, प्रदेश संगठन मंत्री, श्री रामफल कौशिक प्रदेश उपाध्यक्ष, श्री श्रवण कौशिक प्रदेश प्रचार सचिव, श्री संतोष कौशिक, जिला अध्यक्ष श्री संजीव कौशिक, महासचिव श्री राजेश कौशिक, संगठन सचिव डॉ राजेश कौशिक, कोषाध्यक्ष श्री धर्मपाल कौशिक, जिला उपाध्यक्ष श्री धर्मपाल कौशिक, कवल कौशिक, आनंद कौशिक, सेवाराम कौशिक, गोपाल कौशिक, द्वारिका कौशिक, भागवत कौशिक, सर्किल अध्यक्ष श्री हरदेव कौशिक, सर्किल अध्यक्ष श्री अजीत कौशिक, सर्किल अध्यक्ष श्री रूपेश कौशिक, युवा जिला अध्यक्ष श्री सुभाष कौशिक, यशवंत कौशिक, नरेंद्र कौशिक, भरत कौशिक, तुकेश कौशिक, पुरुषोत्तम कौशिक, सूर्यकांत कौशिक, प्रमोद कौशिक, डॉक्टर मनोज कौशिक, लाल कौशिक, कमलेश कौशिक सहित क्षेत्र के सर्किल पदाधिकारी, सामाजिकजन एवं युवा साथी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए।

खबर-खास

बलिदान दिवस पर डॉ. मुखर्जी को दी गई श्रद्धांजलि

रायपुर (समय दर्शन)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को पूरे प्रदेश में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान जिवस (23 जून) पर विभिन्न कार्यक्रम रखकर उन्हें श्रद्धापूर्वक स्मरण किया और उनके बताए मार्ग पर चलकर शक्तिशाली, समृद्धशाली और स्वाभिमानी भारत के संकल्प को पूर्ण करने की प्रतिबद्धता दुहराई।

डॉ. मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया : देव- भाजपा प्रदेश कार्यालय में डॉ. मुखर्जी की पुण्यतिथि पर कुशाभाऊ ठाकरे परिसर स्थित स्मृति मंदिर में उनकी प्रतिमा पर क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक, भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, प्रदेश उपाध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी, पूर्व विधायक लाभचंद बाफना, शंभू गुप्ता, किरण बघेल सहित पदाधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप में भाजपा केंद्र सहित अनेक राज्यों में सत्तासीन है जो हमारे महापुरुषों की तपस्या व बलिदान के कारण ही संभव हो पाया है। डॉ. मुखर्जी के आदर्शों को अपनाकर उनके विचारों को साकार रूप प्रदान करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री देव ने कहा कि जिस प्रकार लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने खंड-खंड हो रहे देश को अखंड बनाया, उसी प्रकार डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अखंड भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए अपना पूरा जीवन अर्पित कर दिया। डॉ. मुखर्जी केवल राजनीतिक कार्यकर्ता नहीं थे। उनके जीवन से ही राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं को सीख लेनी चाहिए। उनका स्वयं का जीवन प्रेरणादायी, अनुशासित तथा निष्कलंक था। राजनीति उनके लिए राष्ट्र की सेवा का साधन थी। डॉ. मुखर्जी ने राष्ट्रनीति के लिए राजनीति में पदार्पण किया। वे देश की सत्ता चाहते तो थे, किंतु उनका विचार था कि सत्ता उनके हाथों में जानी चाहिए, जो राजनीति का उपयोग राष्ट्रनीति के लिए कर सकें। आज केंद्र समेत विभिन्न राज्यों में सत्तारूढ़ भाजपा उनके आदर्शों से अनुप्राणित होकर कार्य कर रही है।

जिला कार्यालय में भी दी गई श्रद्धांजलि- भाजपा जिला कार्यालय (एकात्म परिसर) में डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव, विधायक सुनील सोनी, राजीव अग्रवाल और शहर जिला भाजपा अध्यक्ष रमेश ठाकुर ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शहर जिला महामंत्री सत्यम दुवा ने किया। इस अवसर पर छगनलाल मूंदड़ा, अमरजीतसिंह छाबड़ा, पूर्व जिला अध्यक्ष जयंती पटेल, सुभाष अग्रवाल, पूर्व विधायक द्वय नन्दे साहू व श्रीचंद सुन्दरानी, किशोर महानन्द, सच्चिदानंद उपासने, सुभाष तिवारी, नगर निगम सभापति सूर्यकांत राठौर, वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सलीम राज सहित वरिष्ठ भाजपाजन मौजूद रहे।

पेशा कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोक आस्था सेवा संस्थान के द्वारा पीएचएफ के सहयोग से संगवारी महिला मंच के महिला मुखियाओं का पेशा कानून पर एक दिवसीय प्रशिक्षण गरियाबंद में आयोजित किया गया।जिसमें छुरा और गरियाबंद ब्लॉक के 60 से अधिक महिला मुखिया शामिल रही प्रशिक्षण की शुरुआत संस्था सचिव सुश्री लता नेताम पेशा कानून के बारे बताया की यह कानून 1996 में पारित हुआ और लागू किया गया जिसमें संविधान की 5 वीं अनुसूची और उसके अलावा जहां आदिवासी समुदाय की संख्या अधिक है वहां लागू किया जाएगा,और इसके प्रावधानों के बारे विस्तार पूर्वक जानकारी दिया गया।कि इसी के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के कई जिले भी पेशा क्षेत्र अंतर्गत आता है और छत्तीसगढ़ में पेशा कानून के अंतर्गत इसके लिये नियम 2022 में बनाया गया इस कानून के अंतर्गत ग्रामसभा को शक्ति प्रदान किया गया जिसमें स्वशासन और पूरे गांव का विकास का और निर्णय की शक्ति प्रदान किया गया जिसमें विकास योजनाओ के क्रियान्वयन से लेकर पूरी गांव की विकास की जिम्मेदारी ग्रामसभा का है साथ ही बताया गया कि ग्रामसभा की बैठक कैसे होना चाहिए और उसके गणपूर्ति के बारे जिसमें उस गांव की वोटरों का 1 तिहाई जनसंख्या का होना अनिवार्य है और उसमें 50 प्रतिशत महिलाओं का होना अनिवार्य अगर ग्रामसभा की गणपूर्ति नहीं होती है तो 7 दिवस के अंतर्गत फिर से ग्रामसभा बुलाया जाएगा साथ ही अध्यक्ष का चुनाव सबकी सर्व सहमति से 1 वर्ष के लिए चुना जाएगा और वह पंचायत के सरपंच उपसरंपच या ऐसा प्रत्याशी न हो जो चुनाव लड़ा हो और अध्यक्ष आदिवासी समुदाय का हो व ग्राम सभा की समिति के बारे जानकारी दिया गया जिसमें शांति न्याय और प्रबंधन समिति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया।इसके बाद प्रशिक्षक द्वारा प्रोजेक्टर के द्वारा वीडियो के माध्यम बहुत ही सरल तरीके से समझाया गया कि ग्राम सभा कैसे होता है उसके बाद प्रशिक्षक महोदय ने खेल के माध्यम से महिलाओं को 4 समूह में विभाजित कर 1 वर्ष में होने वाले ग्रामसभा जिसमें 26 जनवरी और 14 अप्रैल 15 अगस्त व 2 अक्टूबर के आसपास होने वाले ग्रामसभा के बारे में जानकारी दिया व साथ ही इससे पहले महिला और बाल सभा कर सकते है इसके बारे बताया इसके बाद दो ग्रुप में महिलाओं को विभाजित कर ग्रामसभा के प्रक्रिया के बारे विस्तार पूर्वक बताया गया और ग्राम सभा में महिलाओं भागीदारी बढ़ना चाहिए और महिलाएं भी निर्णय प्रक्रिया में शामिल हो इसके बारे प्रेरित किया गया।

जिला खनिज न्यास संस्थान की शासी परिषद् की बैठक

धमतरी / सांसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी और सांसद कांकेर श्री भोजराज की उपस्थित में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला खनिज न्यास संस्थान की शासी परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए 44 करोड़ 30 लाख रूपये के कार्यों का अनुमोदन किया गया। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री सूरज सिंह परिहार, सीईओ जिला पचांयत श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा खनिज प्रभावित क्षेत्र के सरपंच व जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में अपर कलेक्टर एवं नोडल अधिकारी डीएमएफ श्रीमती रीता यादव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासी परिषद की बैठक में अनुमोदित कार्ययोजना का आय-व्यय एवं स्वीकृत कार्यों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने वित्तीय वर्ष में प्राप्त राशि, वर्ष 2024-25 में न्यास लेखों का लेखा परीक्षण कार्य कराये जाने की स्वीकृति, उच्च प्राथमिकता एवं अन्य प्राथमिकता के कार्यों का अनुमोदन सहित अन्य विषयों पर जानकारी दी।

बेटियों ने 14,000 फीट की ऊँचाई पर लहराया तिरंगा,हमटा पास की बर्फीली चोटियों पर साहस

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले की बेटियाँ अपनी जिद, जुनून और जज्बे से हर रोज़ एक नया इतिहास रच रही हैं।ऐसा ही एक साहसिक कारनामा कर दिखाया है गरियाबंद जिले की चार साहसी बेटियों ने,जिन्होंने हिमाचल प्रदेश की दुर्गम चोटियों पर तिरंगा फहराकर प्रदेश और जिले का नाम रौशन किया।यह अदम्य साहस दिखाने वाली बेटियाँ हैं कनक लता,कोमिता साहू (16 वर्ष),खिलेश्वरी कश्यप (17 वर्ष) और अम्बा तारक (18 वर्ष) है।

कनक लता ने बताया कि उनका वर्षों पुराना सपना आखिरकार साकार हुआ जब उन्होंने और उनकी टीम ने हिमाचल प्रदेश के हमटा पास ट्रैक की 14,000 फीट ऊँची चोटियों पर तिरंगा फहराया।यह यात्रा सिर्फ एक ट्रैकिंग अभियान नहीं थी,बल्कि साहस,धैर्य और संघर्ष की एक अमिट गाथा बन गई।

विपरीत मौसम ने डाला कठिनाइयों का पहाड़,,,,कनक लता ने बताया कि 15 जून को इस ट्रैकिंग की शुरुआत होनी थी, लेकिन खराब मौसम के चलते इसे दो दिन बाद यानी 17 जून को शुरू किया गया। मौसम ने शुरू से ही चुनौतियाँ खड़ी कर दी थीं। 35 किलोमीटर लंबे इस ट्रैक को पूरा करने में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा।ट्रैक की पहली चढ़ाई जोबरा से चीका तक की रही,जो लगभग 4 किलोमीटर की दूरी थी और इसे पार करने में 4.5 घंटे लग गए।दूसरे दिन की शुरुआत चीका से बालू घेरा के लिए हुई,जहां 8 किलोमीटर की चढ़ाई ऊँची पहाड़ियों, उफ़नती नदियों और बर्फीले रास्तों के बीच से होकर करनी पड़ी।यह मार्ग लगभग 5-6 घंटे में पूरा किया गया।यहां से टीम ने बालू घेरा से सिया गुरु तक 8 किलोमीटर का और फिर सिया गुरु से छात्रु तक का सफर पूरा किया।कनक लता ने कहा,बर्फीले रास्तों को पार करना,खड़ी चट्टानों पर चढ़ाई करना,और तूफ़नी हवाओं के बीच आगे बढ़ना बेहद मुश्किल था।लेकिन छत्तीसगढ़ के लोगों की दुआओं और हमारी कड़ी मेहनत ने हमें यह सफलता दिलाई।

कनक लता और उनकी टीम इस अभियान की सफलता का श्रेय कई शुभचिंतकों को भी देती हैं।प्रदीप कुमार सेन,जो पेशे से शिक्षक हैं,ने इन चारों बेटियों को आर्थिक सहयोग दिया।उनके बिना यह यात्रा संभव नहीं थी।वहीं डीएफओ लक्ष्मण सिंह का भी विशेष सहयोग रहा।उन्होंने इन बेटियों को गरियाबंद और चिंगरापगार के जंगलों में ट्रैकिंग की अनुमति दी,जिससे इनका प्रशिक्षण मजबूत हुआ।वही अब उनका अगला लक्ष्य फ्रेंडशिप पीक की चोटी पर तिरंगा लहराना है इस साहसिक यात्रा ने इन बेटियों के हौसले को और बुलंद कर दिया है।कनक लता बताती हैं कि अब उनका अगला सपना फ्रेंडशिप पीक की चोटी पर तिरंगा लहराना है और इसके लिए वे निरंतर अभ्यास कर रही हैं।इस पूरे ट्रैकिंग अभियान को इंडियन एडवेंचर फाउंडेशन के तहत पूरा किया गया। इनकी टीम का नेतृत्व ग्रुप लीडर रोहित झा कर रहे थे, जिनके मार्गदर्शन में टीम ने यह सफलता हासिल की।

बेटियाँ बनीं प्रेरणा,,,,,,छत्तीसगढ़ की इन साहसी बेटियों की कहानी आज युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है। उन्होंने यह दिखा दिया कि यदि दिल में जुनून हो और इरादे मजबूत हों तो पहाड़ जैसी ऊँचाई भी छोटी लगने लगती है।

निगम सम्पत्ति कर की राशि में 6 प्रतिशत की छूट,लाभ उठाने के लिए करदाता आज से ही छूट का फायदा उठा सकते हैं

30 जून 2025 के पहले करदाता अपने मकान, दुकान, व्यवसायिक संस्था का टैक्स राशि जमा कर रसीद करें प्राप्तः

दुर्ग/ नगर पालिक निगम राजस्व विभाग अमला द्वारा टैक्स पटाने पर 6 ब्र की छूट दी जा रही हैं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में सम्पत्ति कर की राशि में 6 ब्र की छूट दी हैं, छूट मिलने का लाभ उठाने के लिए करदाता आज से ही इस छूट का फायदा उठा सकते हैं, वहीं 30 जून 2025 के पहले करदाता अपने मकान, दुकान, व्यवसायिक संस्था का टैक्स राशि जमा कर रसीद प्राप्त करें सकते हैं.. महापौर श्रीमती अलका बाघमार,आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि संपत्ति कर पर टैक्स पटाने पर 6ब्र की दी गई हैं, छूट वित्तीय वर्ष 2025-26 में नगर निगम ने शहरवासियों को संपत्ति कर पटाने पर 6 प्रतिशत की छूट दी जा रही। छूट मिलने का लाभ करदाता अवश्य उठाये। माननीया महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने दुर्ग निगम क्षेत्र के करदाता से अपील की है है कि, 6ब्र छूट का लाभ लेते हुए सभी अपना टैक्स जमा करे। साथ ही महापौर श्रीमती अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कि,वसूली में गति लाने टीम बनाकर बड़े बकायादारों के पास डोर टू डोर संपर्क करे।व्यवसायिक एवं बड़ी संस्थानों में जाकर वसूली करें।

ई-ऑफिस प्रणाली पर अधिकारी कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

कलेक्टर के निर्देश पर डीआईओ ने दिया प्रशिक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के सुगम संचालन को ध्यान में रखते हुए संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आज एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।जिसमें समस्त विभागों के ई-ऑफिस संचालकों को सरकारी कार्यालयों के दस्तावेजों को पेपरलैस करने पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस प्रशिक्षण शिविर में जिला के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारीकर्मचारियों ने भाग लिया।

कलेक्टर बी.एस.उइके ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार अब जिला कार्यालयों में आगामी समय में ई-ऑफिस प्रणाली लागू की जाएगी।उन्होंने कहा कि जिले में ई ऑफिस प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय कार्यालयों के अधिकारियों,कर्मचारियों को ई-कार्यालय प्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसे अधिकारी-कर्मचारी गंभीरतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करें।प्रशिक्षण में एनआईसी के उप निदेशक नेहरू निराला,ई-जिला प्रबंधक मिथलेश देवांगन एवं राज्य कार्यालय से आये मास्टर ट्रेनर्स साक्षी पटेल एवं सुश्री मुस्कान जसवानी ने अधिकारियों कर्मचारियों को ई-ऑफिस प्रणाली के तहत विभिन्न प्लेटफार्म के विभिन्न कार्यों तथा उनके उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।प्रशिक्षण में ई-ऑफिस का परिचय एवं उपयोग,दस्तावेज़ तैयार करना,अनुमोदन प्रक्रिया,रिपोर्टिंग एवं फाइल ट्रैकिंग,सुरक्षा उपाय एवं गोपनीयता आदि के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि विभागों में कार्यप्रणाली को डिजिटल और कुशल बनाने के उद्देश्य से ई-ऑफिस प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।जिसमें ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म का सही और प्रभावी उपयोग सिखाया जा रहा है,ताकि कार्यों को डिजिटल रूप से सुव्यवस्थित किया जा सकें।इससे कागजी प्रक्रिया में कमी लायी जा सकेगी।इसका उद्देश्य ई-ऑफिस प्लेटफ़ॉर्म पर दस्तावेजों की डिजिटल ट्रैकिंग एवं प्रसंस्करण,कार्यों में पारदर्शिता और कुशलता,समय की बचत एवं प्रक्रिया की गति में सुधार,कर्मचारियों के बीच बेहतर संवाद और सहयोग स्थापित करना है। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री प्रकाश राजपूत,अंत्यावसायी विभाग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रश्मि गुप्ता, एसडीओ पीडब्लयूडी टी.एन दीवान, सहित समस्त विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

— :: कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग (छ.ग.) :: —
।। आदिवासी विकास शाखा ।।

फैक्स नं. 0788-2323655, ई-मेल – actwd.durg@gmail.com

::—:: द्वितीय निविदा ::—::

क्रमांक/ 372/आ.जा.क./6/प्रयास/न.क्र.172ए/2025 दुर्ग, दिनॉक 18/06/2025

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालितप्रयास आवासीय विद्यालय के कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्यापन सह कोचिंग कार्य हेतु फैकल्टी की व्यवस्था के लिए पंजीकृत कोचिंग संस्थाओं से ऑनलाईन "रूचि की अभिव्यक्ति" का आमंत्रण वर्ष 2025-26 (संक्षिप्त विज्ञप्ति सूचना)

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा प्रयास आवासीय विद्यालय योजना (संशोधित) नियमावली वर्ष 2020 अंतर्गत सचांलित प्रयास आवासीय विद्यालय पाटन जिला- दुर्ग में कक्षा 8वीं उत्तीर्ण चयनित विद्यार्थियों के लिए कक्षा 11वीं एवं 12वीं में शालेय शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ अखिल भारतीय स्तर की इंजीनियरिंग एवं मेडिकल की परीक्षाओं यथा एन.टी.एस.सी., विज्ञान पहेली जेईई (मेंस/एडवांस), एम्स, नीट, पीईटी इत्यादि जैसी होने वाली प्रतियोगी प्रवेश परीक्षाओं के बेसिक की तैयारी किए जाने की योजना है।

इसके लिए निम्नलिखित संस्थाओं के लिए रूचि की अभिव्यक्ति प्रस्ताव ऑनलाईन आमत्रित किया जाता है-

क्र	जिला	विद्यालय का नाम	स्वीकृत सीट	वर्ष
1	दुर्ग	प्रयास (अजा) बालक आवासीय विद्यालय पाटन जिला दुर्ग	125	2025-26(11वी) 2026-27(12वी)

(i) रूचि की अभिव्यक्ति का ऑनलाईन प्रदर्शन की तिथि	18.06.2025 सायं 03.00 बजे से
(ii) निर्धारित प्रपत्र में प्रस्ताव ऑनलाईन प्रेषित करने की अंतिम तिथि	08.07.2025, सायं 03.00 बजे
(iii) प्राप्त प्रस्ताव को समिति के समक्ष खोले जाने की तिथि	08.07.2025
(vi) पात्र पाए गए संस्था का समिति के समक्ष तकनीकी मूल्यांकन	पृथक से घोषित की जावेगी
(v) रूचि की अभिव्यक्ति संबंधी अन्य कार्यवाही/जानकारी की सूचना	पृथक से दी जायेगी।

अन्य कार्यवाही की सूचना संबंधित प्राधिकारी/चयन समिति द्वारा पृथक से दी जावेगी। विस्तृत जानकारी तथा नियमावली हेतु विभागीय वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in पर अवलोकन कर सकते है।

निविदा क्रमांक.....

अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट बेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।

कलेक्टर
जिला- दुर्ग

G-252601707/3

// कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

प्र.क्र. 202506100600049/अ-2
वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका पंकज कुमार पिता/पति श्री उदयराम सिन्हा, निवासी ग्राम तर्रीघाट तहसील पाटन जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा ग्राम पाटन, प.ह.न. 35. तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 591/68 रकबा 0.0130 हे. भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वय या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 02/07/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनाक 18/06/25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन जिला दुर्ग

मुहर

// कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)//
//ईश्तहार//

प्र.क्र. 202506100600026/अ-2
वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्री संदीप कुमार निर्मलकर पिता/पत्ति श्री ईश्वर राम निर्मलकर, निवासी भिलाई 03 तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.), के द्वारा ग्राम अखरा, प.ह.न. 35, तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 33/3 रकबा 0.0179 हे., भूमि पर आवासीय प्रयोजन में डायवर्सन कराने हेतु डायवर्सन किये जाने के लिये आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 172 के तहत प्रस्तुत किया है।

अत: जिस किसी भी व्यक्ति या संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो स्वयं या अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से नियत दिनांक 27/06/2025 न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति पेश कर सकते है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आवेदन में कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
पाटन जिला दुर्ग

मुहर

// न्यायालय तहसीलदार दुर्ग//
मामले की श्रेणी: राजस्व

संदर्भ: जिला- दुर्ग तहसील-दुर्ग प.ह.न.-00019 दुर्ग ग्राम के नामांतरण पंजी में पंजीबद्ध
प्रकरण क्रमांक- आरडी 202425430103900255

//ईश्तहार//

तहसील दुर्ग के प.ह.न. 00019 के अंतर्गत ग्राम दुर्ग के वर्तमान भूमिस्वामी आनंद कसार पिता/ पति-स्व. जमुना प्रसाद कसार पता-तुलसी किराना स्टोर्स सिकोला भांठा दुर्ग , शकुन्तला कसार पिता/पति-स्व. जमुना प्रसाद कसार पता-प्रेमनगर सिकोला भाठा दुर्ग, अरुण कसार पिता/ पति-स्व. जमुना प्रसाद कसार पता-प्रेमनगर सिकोला भांठा दुर्ग द्वारा धारित भूमि खसरा क्रमांक 1333/6 (0.0250) में प्रस्तावित भूमिस्वामी/ क्रेता सृजन कसार पिता/पति-स्व. अरुण कसार पता-प्रेमनगर सिकोला भाठा दुर्ग, आनंद कसार पिता/पति-स्व. जमुना प्रसाद कसार पता-तुलसी किराना स्टोर्स सिकोला भांठा दुर्ग, श्रीमती नीलम कसार पिता/प ति-स्व. अरुणकसार पता -प्रेमनगर सिकोला भाठा दुर्ग, शकुन्तला कसार पिता/पति-स्व. जमुना प्रसाद कसार पता-प्रेमनगर सिकोला भाठा दुर्ग, सृष्टि कसार पिता/पति-स्व. अरुण कसार पता प्रेम नगर सिकोला भाठा दुर्ग के के नाम पर पंजीयन/फौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधो हस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई दिनांक 23/06/2025 को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय तहसीलदारदुर्ग पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सुनवाई के समय अपना दावा आपत्ति स्वयं / अधिवक्ता / आममुख्त्यार के माध्यम से पेश कर सकते है। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 07/06/2025 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

मुहर

हनुमान मंदिरों में सजेगा बजरंगबली का गदा, संस्कारधानी में भक्तों की अनूठी पहल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भगवान बजरंगबली की कृपा से राजनांदगांव के सभी हनुमान मंदिरों में पीतल का गदा चढ़ाने का भव्य अभियान शुरू हो चुका है। भक्तों की समिति द्वारा संचालित इस पुण्य कार्य का दूसरा चरण जोरों पर है, जिसके तहत शहर के हर मंदिर को हनुमान जी के प्रिय शास्त्र गदा मंदिर की मूर्तियों को सुसज्जित किया जाएगा।

इस अभियान के अंतर्गत प्यारेलाल चौक मंदिर, स्टेशन पर मंदिर, चिखली मंदिर, सिंगरपुर मंदिर, डिलापहरी मंदिर, मोतीपुर मंदिर, नवागांव मंदिर, इंडस्ट्रियल एरिया मंदिर, शक्तिनगर मंदिर और पाताल भैरवी मंदिर में पीतल के गदे अर्पित किए जाएंगे।

समिति ने प्रतिबद्धता जताई है कि शहर का कोई भी हनुमान मंदिर इस भेंट से अछूता नहीं रहेगा। जिन मंदिरों में अभी तक गदा नहीं चढ़ाया गया, वहां भी इसे शीघ्र स्थापित किया जाएगा। समिति के प्रमुख सदस्यों ने कहा है कि हनुमान जी की भक्ति और उनके शास्त्र गदा को हर मंदिर में अर्पित करना हमारा संकल्प है। पहले चरण में सात मंदिरों में गदा चढ़ाया जा चुका हैए और अब हम पूरे शहर को इस भक्ति से जोड़ रहे हैं।

स्थानीय भक्तों और मंदिर प्रशासन ने इस पहल की जमकर सराहना की है। प्यारेलाल चौक मंदिर के पुजारी ने बताया, यह कार्य भक्तों की सच्ची श्रद्धा और हनुमान जी की कृपा का प्रतीक है। इससे मंदिरों की शोभा बढ़ेगी और भक्तों का उत्साह दोगुना होगा। समिति का कहना है कि यह अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक राजनांदगांव का हर हनुमान मंदिर पीतल के गदे से सुशोभित नहीं हो जाता। भक्तों में इस कार्य को लेकर जबरदस्त उत्साह है, और इसे हनुमान भक्ति का एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त-खबर

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर उघरा में उत्साहपूर्ण आयोजन

साजा (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से करीब 5 किमी दूर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला उघरा में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सामूहिक योगाभ्यास का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, शाला विकास समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, पंचायत प्रतिनिधियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक सहभागिता दी। बच्चे एवं शिक्षकों समेत उपस्थिति सभी ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं योग के विभिन्न आसनों का प्रदर्शन किया। बच्चों को योग के महत्व और इसके लाभों के बारे में भी बताया गया। कार्यक्रम के दौरान सरपंच भारत यादव,शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष राम सिँह वर्मा, मोहन वर्मा, जकलू राम वर्मा, बिरझु राम वर्मा, झूम्मन दास, मनीष दास एवं पालकगण सभी ने योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया।शाला के शिक्षक हिरेन्द्र वर्मा के द्वारा योगाभ्यास एवं प्राणायाम कराया गया। योगासन के पश्चात शिक्षक हिरेन्द्र वर्मा द्वारा सभी लोगों को अंकुरित अनाज जैसे चना, मूंगफ्ली, मूंग एवं गाजर, मूली, टमाटर, चुकंदर, खीरा, धनिया आदि परोसा गया। इस अवसर मे शाला के प्रधान पाठक राकेश रेड्डी, चंद्रकांत वर्मा, लोमश पटेल समेत बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे ।

गौसेवा को समर्पित संगठनात्मक मजबूती की दिशा में ऐतिहासिक पहल

साजा (समय दर्शन)। गौ माता की सेवा एवं संरक्षण हेतु कार्यरत संगठन भारतीय गौ क्रांति मंच की जिला स्तरीय सर्वसम्मति बैठक आज बेमेतरा जिले के ग्राम सिंघौरी राजा पांडेय निवास के पास में संपन्न हुई। गौसेवा को संगठित, प्रभावी और ज़मीनी स्तर पर क्रियाशील बनाने के उद्देश्य से इस बैठक में जिले भर के गौसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से भारतीय गौ क्रांति मंच- जिला बेमेतरा इकाई का गठन किया गया। संगठन की नवगठित जिला टीम का गठन किया गया जिसमें जिलाध्यक्ष ध्वज शर्मा बेमेतरा से, महामंत्री शुभम सोनी बेमेतरा एवं ओमप्रकाश पाल बरगा, थानखमरिया से, गौ रक्षक प्रमुख रमेश यादव नवागढ़ से, गौ सेवक प्रमुख ओमप्रकाश कश्यप खंडसरा निवासी है। इस अवसर पर उपस्थित सभी गौसेवकों ने पूर्ण समर्थन एवं सहमति प्रदान की और नवगठित टीम को संगठन के उद्देश्यों को आगे ले जाने हेतु शुभकामनाएं दीं। बैठक में यह भी तय किया गया कि आगामी दिनों में ब्लॉक एवं मंडल स्तरीय पदाधिकारियों का चयन भी किया जाएगा, ताकि संगठन की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावशाली एवं जनसहभागिता आधारित बन सके। बैठक में कुश कश्यप, सोनराज पटेल, रोमन पांडे, रूपेश साहू, वासु, ओम पाल, सहित जिले भर के गौ सेवक सम्मिलित रहे।

पायल जैन बनी कैट की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष

दुर्ग । देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कॉन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन बनाई गई है। उनकी यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतीय, महासचिव प्रवीण खंडेलवाल की सहमति एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन और महामंत्री सुरिन्दर सिंह द्वारा की गई है। उनकी नियुक्ति से व्यापारियों में खुशियों का माहौल है। पायल जैन पूर्व में छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की दुर्ग जिला महिला इकाई के अध्यक्ष पद का दायित्व बखूबी निभा चुकी है। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठन में पदाधिकारी रहते हुए समाजसेवी कार्यों एवं व्यापारी हित में अपना सक्रिय योगदान दिया है। संगठनों में उनकी सक्रियता के चलते उन्हें कैट दुर्ग जिला महिला इकाई अध्यक्ष पद का दायित्व सौपा गया है। उनकी नियुक्ति पर कैट के जिला अध्यक्ष प्रकाश सांखला, स्वावलंबी भारत अभियान छत्तीसगढ़ प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे, वरिष्ठ व्यापारी नेता पवन बडजात्या,मोहम्मद अली हिरानी, प्रहलाद रूंगटा, विनय कश्यप, संजय बोहरा, आशीष खंडेलवाल, अरुण दुग्गड़, रवि केवलतानी, अमर कोटवानी, रवि कुकरेजा, दर्शनलाल ठाकवानी, गूंजा पिंचा, अमीना हिरानी, प्रतिभा पुरोहित, प्रीति सोनी, रेखा रूपारेल, सरिता बजाज, प्रीतिका चौहान, मधु शर्मा, नेहा तिवारी, कोमल साहू के अलावा अन्य व्यापारिक व समाजसेवी संगठनों के लोगों ने बधाई दी है।

एकदिवसीय मंदाकिनी श्री रामकथा संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 29 जून को सांतरा में होगा

पाटन (समय दर्शन)। माँ कौशिल्या महतारी एवं भगवान राम के ननिहाल छग दुर्ग क्षेत्र अंतर्गत तहसील मानस संघ पाटन पंजीयन क्रमांक 12590,मानस शक्ति केंद्र सेलुद क्रमांक 04, की बैठक आज दिनांक 22 जून 2025 रविवार को ग्राम सांतरा में आहूत की गयी। बैठक का शुभारंभ भगवान श्रीराम के दीप प्रज्वलन,मंगल आरती के साथ किया गया,,

दीप प्रज्जवलन के अतिथि मेहत्तर वर्मा (अध्यक्ष जिला मानस संघ दुर्ग), गोलू ज्योति चंद्राकर (सरपंच ग्राम पंचायत सांतरा)एवं टीकाराम साहू अध्यक्ष तहसील मानस संघ पाटन रहे। कार्यक्रम का संचालन हितेंद्र साहू पुनेश्वर साहू ने सबका स्वागत कराया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रथम वक्ता श्री मेहत्तर वर्मा जी अध्यक्ष जिला मानस संघ दुर्ग ने संगठन को मजबूत करने के लिए अपने वक्तव्य रखें, द्वितीय वक्ता श्री टीकाराम साहू अध्यक्ष तहसील मानस संघ पाटन ने तहसील संबंधी गतिविधि एवं शक्ति केंद्र की कोष संधारण के विषय में जानकारी प्रदान की,, तृतीय वक्ता श्री पुनेश्वर साहू मिडिया प्रभारी तहसील मानस संघ पाटन ने शक्ति केंद्र की सक्रियता आपसी सामंजस्य मानस गतिविधि एवं जिला से लेकर तहसील तक के मानस इकाइयों शक्ति केंद्र की जानकारी प्रदान की शक्ति केंद्र क्रमांक 4 को निर्देशित करते हुए चार एजेंडा तुलसी जयंती दीपावली मिलन होली मिलन हनुमान जयंती एवं श्री राम नवमी मैं मानस संबंधी गतिविधियां शक्ति केंद्र स्तर पर होनी चाहिए ताकि हम निरंतर मानस संबंधी कार्यों से जुड़े रहे, दुर्ग जिला सहित पाटन तहसील की मानस मंडलीय पूरे छत्तीसगढ़ में नाम रोशन कर रही है जो प्रदर्शन से कोसों दूर है यहां मानस के व्याख्याकार मानस को कहते नहीं बल्कि जीते है ऐसा हमारा दुर्ग जिला है,, चतुर्थ वक्ता श्रीमती आरती साहू ने सबको ससंबल प्रदान करते हुवे कहा की शक्ति केंद्र पूरी निष्ठा के साथ गाँव गाँव जाकर लोगों को संघ से जोड़े एवं जानकारी दें ताकि सभी आयोजक मंडली शक्ति केंद्र से जुड़े,,,,ग्राम सांतरा में सनातन धर्म की सेवा करते सेवा भाव के साथ रामायण आयोजन समिति भगवान राम की चरित्र का प्रतिवर्ष मानस गान के माध्यम से जनसाधारण तक अवगाहन करती है प्रत्येक धार्मिक कार्य ग्राम संतरा में धूमधाम से मनाया जाता है मां शीतला की कृपा है की लगातार संतरा में धार्मिक आयोजन होते रहते है। बैठक में सर्वसम्मति से मानस आयोजन समिति ग्राम सांतरा एवं मानस शक्ति केंद्र सेलुद क्रमांक 04 के संयोजन में विशाल एकदिवसीय मंदाकिनी श्री रामकथा संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 29 जून 2025 दिन रविवार को मानस गौरव ग्राम सांतरा (फूंड्डा) में होगा। जिसमे समस्त मानस शक्ति केंद्र एवं मानस मंडली,मानस आयोजन समिति, मानस जिज्ञासु सादर आमंत्रित है।

इस कार्यक्रम का प्रमुख प्रतिनिधित्व मानस शक्ति केंद्र सेलुद,मानस आयोजन समिति सांतरा एवं गोलू चंद्राकर सरपंच ग्राम पंचायत सांतरा करेंगे,,,साथ ही आसपास क्षेत्र के रामायण सुनने वालों को ग्राम सांतरा आयोजन समिति ने भारी संख्या में श्रवण लाभ लेने के लिए अपील किया

इस अवसर पर रामायण आयोजन समिति एवं ग्रामवासी सांतरा भानु यादव कुलेश्वर चंद्राकर गोलू चंद्राकर तोरण वर्मा टाकेश्वर निर्मलकर कुंदन यादव गिरीश चंद्राकर संतोष यदु अग्रहित साहू सरजू यादव युमन साहू उपस्थित रहे। साथ ही श्री हेमलाल साहू, श्री वेदराम साहू, रामानारायण वर्मा, भोपाल मणि वर्मा,परदेशी साहू, अशोक मढरिया, लीलाधर साहू,सरस्वती साहू सहित भारी संख्या में मानस के पदाधिकारी मौजूद रहे।

शिक्षा सत्र 2025-26 का भव्य शुभारंभ

- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के प्रेरणास्पद संदेशों ने बच्चों में भरा नया उत्साह
- विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने बच्चों को साझा किए छात्र जीवन के अनुभव

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार प्रदेशभर में शाला प्रवेश उत्सव 2025 गरिमापूर्ण वातावरण एवं उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में बसना स्थित स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष ऊंचाई प्रदान की।

तिलक से स्वागत, प्रेरणा से प्रस्थान- विधायक डॉ संपत अग्रवाल ने मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर पूजा अर्चना की जिसके साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जिससे ज्ञान एवं संस्कार की ज्योति पूरे वातावरण में प्रवाहित हुई। नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक व मिठाई खिलाकर आत्मीय स्वागत किया गया । एक ऐसा दृश्य जो मानो शिक्षा की नई यात्रा का मंगल आरंभ बन गया।

समाज, शिक्षक और जनप्रतिनिधि उज्जवल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध - विधायक डॉ. अग्रवाल ने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए अपने छात्र जीवन के प्रेरणादायक अनुभव साझा किए। उन्होंने बच्चों को यह विश्वास दिलाया कि वे अकेले नहीं है समाज, शिक्षक एवं जनप्रतिनिधि, सभी उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार मिलना हमारा संकल्प- विधायक डॉ. अग्रवाल ने विद्यालय परिसर का अवलोकन करते हुए शिक्षकों से विद्यालय की वर्तमान सुविधाओं एवं आवश्यकताओं पर चर्चा की और यह निर्देश भी दिया कि बच्चों की शैक्षणिक सुविधा में किसी प्रकार की कमी न हो। उन्होंने दो टूक कहा, हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार मिलना हमारा संकल्प है और यह संकल्प सिर्फघोषणा नहीं, एक जीवंत जिम्मेदारी है।

बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति करें सुनिश्चित - अपने उद्बोधन में डॉ. अग्रवाल ने पालकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें, ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासित डिजिटल जीवन जीने की सलाह दी । मोबाइल का प्रयोग केवल अध्ययन एवं ज्ञानवर्धन तक सीमित रखने की प्रेरणा दी।

विद्यालय जहां संस्कार और राष्ट्रनिर्माण की नींव पड़ती है- अंत में विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने कहा विद्यालय केवल एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि यह वह पवित्र स्थल है, जहाँ भावी राष्ट्रनिर्माताओं के संस्कार, विवेक एवं ज्ञान का निर्माण होता है। इस अवसर पर उपस्थित समस्त विद्यार्थी, पालकगण तथा शिक्षकों के मन में यह सशक्त विश्वास अंकित हुआ कि जब जनप्रतिनिधि शिक्षाप्रेमी, दूरदर्शी एवं संवेदनशील हों, तब शिक्षा केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि जन-चेतना का सशक्त आंदोलन बन जाती है।

कार्यक्रम का सफल संचालन रविन्द्र सोना ने किया।

उपस्थित गणमान्यजन- शाला प्रवेश उत्सव पर जिला उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाल,शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष एन एल भोई,प्राचार्य आत्मानंद स्कूल खिरोद कुमार पुरोहित,प्राचार्य हिंदी माध्यम सुरेश कुमार पटेल, वरिष्ठ व्याख्याता एन के ध्रुव,प्रधान पाठक एच आर साव,प्रधान पाठक हेमंत कुमार दास,वरिष्ठ व्याख्याता अनिता आर आसटकर, पालकगण, शिक्षक,शिक्षिका सहित विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

अनुकम्पा नियुक्ति के बाद बदला मिजाज, माँ व भाईयों को किया दर किनार

- पिता के समय की सेवा भूमि मे कमा खा रहे माँ,भाईयों को खदेड़ा
- माँ और भाई दर दर भटकने मजबूर

बसना (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत आमापाली की कोटवार को ग्रामीणों द्वारा जनचौपाल भेंट मुलाकात में गांव के कोटवार को पद से हटाये जाने तथा उनके ऊपर कार्रवाई किये जाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए कहा कि ग्राम में रघुनाथ दास पिता स्वर्गीय प्रसाद दास कोटवार के पद पर नियुक्त है । कोटवार का दायित्व गांव में व्यवस्था करना व शासन की योजना को आमजन तक पहुंचाकर पालन करवाना होता है। ग्राम कोटवार रघुनाथ दास ने उनके पिता प्रसाद दास की मृत्यु के बाद उनके दोनों भाई एवं माता के सहमति के बाद कोटवार नियुक्त किया गया था। अब उसके माता का भरण पोषण नहीं किया जा रहा है और उसके मां को भी घर से निकाल दिया गया है ! जिसके कारण उनका छोटा भाई उदय दास ने गांव में आवेदन दिया था । जिस पर ग्राम पंचायत ग्राम सभा मे समझाया गया। लेकिन रघुनाथ दास के द्वारा नहीं समझाने के कारण ग्राम सभा में प्रस्ताव कर कोटवार को हटाने हेतु कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया और कलेक्टर ने अनुभागीय अधिकारी को आदेशित किया अनुविभागीय अधिकारी बसना मनोज खाण्डे के द्वारा कलेक्टर की आवेदन को संज्ञान में लेते हुए ग्राम आमापाली के कोटवार को हटाए जाने हेतु जांच प्रतिवेदन तहसीलदार को दिया गया था। गाँव वालों ने आरोप लगाया है कि, बगैर जांच किए तात्कालीन तहसीलदार ममता ठाकुर द्वारा एक तरफ फैसला दे दिया गया है?

जिसे पुन: गाँव वालों की उपस्थिति में निष्पक्ष जांच करने एवं गाँव के कोटवार को निरस्त करने की मांग किया जा रहा है एवं उच्च अधिकारियों को पत्र लिखकर कार्रवाई करने की अपील किया जा रहा है !

इस संबंध में तहसीलदार द्वारा लिए गये एकतरफ निर्णय से गांव के लोगों में आक्रोश है। गांव वालों एवं पंच सरपंच का कहना है कि गांव हमें चलना है तो हमें सही और अच्छा कोटवार की आवश्यकता है ।

जिसमें रघुनाथ दास के द्वारा गांव की कार्य ठीक से नहीं किया जा रहा है उसे तुरंत हटाया जाए और उचित कार्रवाई किया जाए !

ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण

दुर्ग/ बैंक ऑफ बड़ौदा ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, दुर्ग भारत सरकार द्वारा संचालित एक प्रशिक्षण संस्थान है जो ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। आरसेटी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार युवक युवतियों को नि:शुल्क आवासीय प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार विकास को सुगम बनाना है। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्म-उत्पादकता, सशक्तीकरण, कौशल विकास, उद्यमिता, बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं के बारे में शिक्षण प्रदान करते हैं। आरसेटी द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से, ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता को बढ़ाने में मदद मिलती है। इसी उद्देश्य प्राप्ति हेतु संस्थान द्वारा जिला दुर्ग, बालोद एवं बेमेतरा के ग्रामीण क्षेत्र के युवक/युवतियों हेतु नि:शुल्क आवासीय (भोजन व्यवस्था के साथ) जून माह में फोटोग्राफी एवं विडिओग्राफी (31 दिन) दिनांक 21 जून 2025 से प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा चुका है जिसमे प्रवेश हेतु अंतिम तिथि 24 जून 2025 है।

अवधपुरी मोहल्ला समिति के पदाधिकारी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम संपन्न

- 22 जून को अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति भाटागांव रायपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण एवम अभिनंदन समारोह गरिमामई रूप से संपन्न
- रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी मुख्य अतिथि उपस्थित हुए।

रायपुर (समय दर्शन)। अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति भाटागांव रायपुर के आगामी 3 वर्ष के कार्यकाल हेतु नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण एवं अभिनंदन कार्यक्रम दिनांक 22 जून 2025 दिन रविवार को स्थान शिवम अकादमी स्कूल, ढेबर सिटी रोड, अवधपुरी, भाटागांव रायपुर में समय दोपहर 12:00 आयोजित हुई ।। अवधपुरी आदर्श मोहल्ला विकास समिति भाटागांव रायपुर के सचिव डॉ. जितेंद्र सिंह ठाकुर ने बताया 25 .09. 2012 से समिति मोहल्ले के विकास के लिए, मोहल्ले के निवासी के हितार्थ, मोहल्ले की समस्याओं का निराकरण करते आ रहा है ।। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में नवनिर्वाचित अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता द्वारा मोहल्ले के वरिष्ठ नागरिक कीर्ति भाई सोनी, राम मंदिर अवधपुरी के पुजारी श्रीवास्तव जी, पंडित निलेश तिवारी, वर्षा प्रोविजन स्टोर्स के संचालक, खोरबाहरा राम साहू पूर्व अध्यक्ष, कृष्ण ध्रुव पूर्व अध्यक्ष को साल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया ।। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर दक्षिण के विधायक मा. सुनील सोनी, विशिष्ट अतिथि श्री योगेश अग्रवाल पूर्व अध्यक्ष राइस मिल एसोसिएशन, श्री राजकुमार राठी भाजपा प्रवक्ता, श्री अवतार भारती बागल अध्यक्ष राजस्व रायपुर नगर निगम,, श्री प्रभात मिश्रा प्रदेश संयोजक अखिल भारतीय साहित्य परिषद, श्री राजेश मिश्रा पत्रकार आईबीसी 24, श्री रवि सोनकर पार्षद भाटागांव रायपुर, श्री श्याम गुप्ता संचालक शिवनाथ महिंद्र ऑटोमोबाइल, श्री विनोद पांडे संचालक शिवम अकादमी स्कूल, श्रीमती मोनिका साहू पूर्व पार्षद भाटागांव, श्री सतनाम सिंह पनाग पूर्व पार्षद तथा समिति की संरक्षक सुश्री रेखा सिंह रही ।। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम भगवान राम की पूजा पाठ आरती पंडित नितेश तिवारी जी द्वारा कर मुख्य अतिथि के हाथों दीप प्रचलित किया गया ।।? अतिथियों का सम्मान एवं उद्बबोधन हुआ।। तत्पश्चात आगामी 3 वर्षीय कार्यकाल हेतु नवनिर्वाचित पदाधिकारी का शपथ ग्रहण मुख्य अतिथि सुनील सोनी एवं समिति की संरक्षक तथा सेवानिवत्ति अपर कलेक्टर सुश्री रेखा सिंह मैडम द्वारा कराया गया ?।।। । शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से नवनिर्वाचित अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता, उपाध्यक्ष बी आर धनगर, सचिव डॉक्टर जितेंद्र सिंह ठाकुर, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुमार साहू, संयुक्त सचिव परमानंद प्रसाद गुप्ता, कार्यकारिणी सदस्य अशोक कुमार बंजारे, पूनम कुमार साहू, ने शपथ ग्रहण लिया।।।? कार्यक्रम में पूर्व पदाधिकारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा.?? ।।। बी.आर. धनगर उपाध्यक्ष द्वारा समिति के उपलब्धियां के बारे में प्रकाश डाला गया।? पूर्व अध्यक्ष खोरबाहराराम साहू, कृष्णा ध्रुव, जीतू बिजलानी, जी.पी. राही, हेमनाथ साहू, मनोरमा दुबे, चमेली ठाकुर, भगवती बंजारे, ज्योति दुबे, पूजा चौहान, लक्ष्मी साहू, पूजा पांडे, ब्रह्मा सोनकर, संतोष जायसवाल, राकेश सिंह पूर्व एल्डरमैन, नानिक राम साहू, सुखराम बदलानी, रमेश मिश्रा, प्रफुल्ल ठाकुर, दसरू प्रसाद निर्मलकर, मदन साहू, आशीष त्रिपाठी, दिनेश दुबे, महेंद्र दुबे, दीपक साहू, रामधुन ठाकुर, पतिराम देवांगन प्रमुख रूप से उपस्थित होकर तथा मोहल्ले के गनमान नागरिक एवं सदस्य उपस्थित होकर समिति के कार्यों की सराहना की।।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26